सुविचार
हमेशा दूसरों की सफ़लता पर ध्यान देने से बेहतर है, अपनी सफ़लता पर ध्यान देकर उनसे भी बेहतर बन जाना।

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✵ 16 सितंबर 2022 वर्ष : 5, अंक : 10 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✵ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्रोत: आदरणीय डॉ कृपा राम पुनिया, पूर्व मंत्री एवं से.नि.आई.ए.एस.

हार्दिक स्वागत

मार्गदर्शक: आदरणीय डॉ आर. आर.फुलिया, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार एवं से.नि.आई.ए.एस

बुजुर्गों के अधिकारों के प्रति किया जाएगा आमजन को जागरुक: दुष्यंत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि हरियाणा विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र जिले में बुजुर्गों के मान-सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति युवाओं, परिजनों और आमजन को जागरुक किया जाएगा। इसके लिए डीएलएसए की तरफ से एक विशेष अभियान भी चलाया गया है। इस अभियान के तहत वृद्ध आश्रमों, स्कूलों, डे-केयर सेंटर आदि संस्थानों में पैनल के अधिवक्ता विशेष कानूनी जागरुकता शिविर लगाकर आमजन को वृद्धजनों के अधिकारों के प्रति जागरुक करेंगे और उनका मान-सम्मान करने के प्रति जागरुक करेंगे।

छायाकार : राजरानी

हालसा के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र में डीएलएसए की तरफ से बुजुर्गों के मान-सम्मान के प्रति जागरुक करने के लिए चलाया जाएगा विशेष अभियान, वृद्ध आश्रम में लगाए जाएंगे मेडिकल जांच शिविर, पैनल के अधिवक्ता स्कूलों, वृद्ध आश्रम और डे-केयर सेंटर में विशेष शिविर लगाकर करेंगे बुजुर्गों के अधिकारों के प्रति जागरुक

सीजेएम दुष्यंत चौधरी सोमवार को एडीआर सेंटर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृद्धजनों के मान-सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता लाने के विषय को लेकर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हालसा के चेयरमैन के आदेशानुसार बुजुर्गों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने के लिए डीएलएसए की तरफ से एक विशेष अभियान चलाया गया है। इस अभियान के तहत परिवार में रहने वाले बुजुर्गों के रहने, खाने-पीने के प्रति ध्यान रखने के लिए परिजनों को जागरुक किया जाएगा। इसके अलावा वृद्ध आश्रमों में रहने वाले लोगों को भी उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया जाएगा। डीएलएसए का प्रयास है कि बुजुर्गों को उनके घरों में ही उनका पूरा मान-सम्मान किया जाए, उनके अधिकारों के अनुसार किया जाए। सभी का मकसद है कि कोई बुजुर्ग वृद्धआश्रम तक ना पहुंचे और परिजन ही उनका मान-सम्मान करे।

समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा चलाई गई मोबाईल मेडिकल वैन लाडवा हल्के के लोगों के लिए हो रही वरदान साबित

जल्द हल्के के लोगों को समर्पित की जाएगी एक नई एम्बुलैंस: गर्ग

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र/लाडवा। स्टालवार्ट फाउंडेशन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा चलाई जा रही मोबाईल मेडिकल वैन लाडवा हल्के के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस मेडिकल वैन से कई ऐसे लोगों को टेस्ट करवाने से मालूम पड़ रहा है कि उन्हें थाइरैड, शुगर व अन्य प्रकार की बीमारी लगी हुई है।

स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने बताया कि 15 अगस्त से लाडवा हल्का के लोगों के लिए मात्र 50 रूपए में अनेक प्रकार के टेस्ट करने की मोबाईल मेडिकल वैन शुरू की गई थी। जो प्रतिदिन लाडवा हल्के के किसी न किसी

लोगों को 50 रूपए में टेस्ट करवाकर मालूम पड़ रहा कि उन्हें थाइरैड, शुगर, लीवर व किडनी आदि की बीमारी है

गांव में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करती है। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त से लेकर अभी तक लगभग 894 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई है। जिसमें से लगभग 190 लोग ऐसे निकले हैं। जिन्हें मालूम ही नहीं था कि उन्हें शुगर जैसी भयंकर बीमारी लगी हुई है। वहीं 40 लोगों की किडनी में दिक्कत पाई गई है। वहीं 112 लोगों को टाइफाइड मिला है व 190 लोगों का लीवर बढ़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस वैन के जरिए अब पता लग जाएगा कि लाडवा हल्के के कितने लोग कौन सी बीमारी से ग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि यह वैन प्रतिदिन किसी न किसी गांव में जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर रही है और यह कार्य निरंतर आगे भी जारी रहेगा। वहीं उन्होंने बताया कि जल्द ही लाडवा हल्के के लोगों को मात्र 500 रूपए में चंडीगढ़ पीजीआई किसी भी इमरजेंसी में मरीज को पहुंचाने के लिए एक नई एंबुलेंस भी शुरू की जाएगी। जिसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि लाडवा हलके के लोगों के लोगों की सेवा करने के लिए वह सदैव तत्पर रहते हैं और हमेशा करते रहेंगे।

बायोगैस प्लांट लगाने पर मिलता है 40 प्रतिशत अनुदान 20 सितंबर 2022 तक कर सकते हैं आवेदन : डा. वैशाली

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धुमसी

करनाल। प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान बायोगैस को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत बायोगैस प्लांट योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत बायोगैस प्लांट की लागत का 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है और योजना का लाभ पोल्ट्री फार्म सहीत व्यावसायिक, खुद की डेयरी व गऊशाला लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए 20 सितंबर 2022 तक आवेदन किया जा सकता है।

अतिरिक्त उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि इस योजना के तहत 25 क्यूबिक बायोगैस प्लांट पर अधिकतम 1 लाख 27 हजार 200 रुपये अनुदान, 35 क्यूबिक बायोगैस प्लांट 2 लाख 2 हजार रुपये अनुदान, 45 क्यूबिक बायोगैस प्लांट 2 लाख 38 हजार 800 रुपये अनुदान, 60 क्यूबिक बायोगैस प्लांट 3 लाख 2 हजार 400 रुपये अनुदान, 80 क्यूबिक बायोगैस प्लांट 3 लाख 95 हजार 600 रुपये के

लगभग अनुदान मिल सकता है।। लाभार्थी इस स्कीम की अधिक जानकारी के लिए स्थानीय अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय के परियोजना अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं और अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं।

'गजब हरियाणा' समाचार पत्र में विज्ञापन, लेख व समाचार देने के लिए सम्पर्क करें।
91382-03233

हरियाणा में बढ़ने लगा बागवानी खेती की तरफ रूझान : विधायक धर्मपाल

महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय बनेगा एशिया की पहला बागवानी वि.वि. : प्रो समर

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धुमसी

करनाल। महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के रिसर्च फार्म अंजनथली में उद्यान दिवस और फल वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर नीलोखेड़ी विधायक धर्मपाल गोंदर ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएचयू कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वृक्षारोपण के साथ किया गया। एमएचयू कुलपति प्रो.समर सिंह ने मुख्य अतिथि विधायक धर्मपाल गोंदर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच संचालन सलाहकार संकाय डॉ. विजय अरोड़ा ने किया।

मुख्य अतिथि ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार पारंपरिक फसलों की बजाए बागवानी फसलों पर फोकस कर रही है ताकि किसानों की आय में इजाफा हो। विधायक ने कहा कि प्रदेश के कृषि क्षेत्र में बागवानी का शेयर बढ़ रहा है। यह हमारी फसल विविधिकरण की नीतियों का परिणाम है। फसल विविधिकरण के लिए बागवानी एक उत्तम उपाय है। वर्तमान में हरियाणा में बागवानी का शेयर 7 प्रतिशत है, जिसे 2030 तक 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य है। खाद्यान्न फसलों की तुलना में बागवानी का काम छोटे भू भाग यानि कम जमीन पर आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री का सोच है कि किसानों की आय दोगुनी हो ओर ये तभी संभव है। जब किसान बागवानी खेती को प्रमुखता दें। इसके लिए महाराणा प्रताप बागवानी वि.वि. करनाल में बनाई गई है, जो किसानों के लिए वरदान साबित होगी। विधायक ने किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। लोग ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए, पौधे भी ऐसे, जिनसे फल के साथ-साथ लकड़ी भी मिले, आक्सीजन ज्यादा मिले। विधायक ने कहा कि नीलोखेड़ी के हर क्षेत्र में करोड़ों रुपए के विकासात्मक कार्य करवाएं है, एजुकेशन क्षेत्र में काफी काम किया गया है।

एमएचयू को एशिया की नंबर वन बागवानी विवि बनाया जाएगा

महाराणा बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि बागवानी विश्वविद्यालय को एशिया की प्रथम बागवानी विश्वविद्यालय बनाया जाएगा। इसके लिए देशभर से योग्य वैज्ञानिकों को विवि में नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, अधिकारी मिलकर बागवानी विश्वविद्यालय को एशिया में नंबर वन बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे है। हम सब मिलकर निस्वार्थ भाव से यूनिवर्सिटी को आगे बढ़ाने के लिए लगे है, कुलपति ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों को विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने किसानों खासकर महिलाओं से आग्रह किया कि वे परिवार के मुखिया को जागृत करें ताकि वो बागवानी के विभिन्न आयामों को अपनाकर अधिक आय कमा सकते है और इसके लिए एमएचयू से ज्ञान ओर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। इस से उनको बागवानी करने में उनका आसानी हो। कुलपति ने कहा कि महिलाएं अगर अपने मुखिया को बोलें तो उसका काफी असर होगा।

एमएचयू नार्थ इंडिया की दूसरे नंबर की बागवानी यूनिवर्सिटी

उन्होंने कहा कि एमएचयू नार्थ इंडिया की दूसरे नंबर की बागवानी यूनिवर्सिटी है। यूनिवर्सिटी में मशरूम सेंटर मुरथल विशेष स्थान रखता है, जहां पूरे वर्ष मशरूम किसानों के लिए ट्रेनिंग चलती रहती है। इसके अलावा किसानों के लिए यूनिवर्सिटी उत्तम किस्म की कम लागत में विभिन्न सब्जियों की पौध तैयार करती है ओर किसानों को इसका विशेष लाभ होता है। यूनिवर्सिटी में चार लैब जिसमें टिश्यु कल्चर, बीज प्रशिक्षण लैब, हाई क्वालिटी जानकारी लैब एवमं राष्ट्रीय स्तर के पोली हाउस, नेट हाउस, रिटेक्टबल पॉली हाउस लगाए है।

बढ़ रहे ऑनलाइन गेमिंग डिसऑर्डर

ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों का बचपन छीन लिया है। पार्क में खेलकूद बंद हो चुका है और उन्हें इंटरनेट की दुनिया भाने लगी है, जो समय बच्चों को अपने माता-पिता के साथ बिताना चाहिए वह वक्त बच्चे घंटों ऑनलाइन गेम खेलने में बीता रहे हैं। ऐसे में माता-पिता और परिवार के सदस्यों को अपने बच्चे को इस खतरनाक ऑनलाइन दुनिया से दूर करने की जरूरत है।

इन दिनों दुनिया में आनलाइन गेम्स पर कई कारणों से बहस जारी है। दरअसल मौजूदा वक्त में वर्चुअल दुनिया में ऑनलाइन गेम्स सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। क्या बच्चे और युवा हर तरफ ऑनलाइन गेम्स की दीवानगी देखी जा सकती है। यही नहीं अक्सर प्रौढ़ उम्र के लोग भी स्मॉर्टफोन की चमचमाती स्क्रीन्स पर ऑनलाइन गेम्स खेलते हुए तेजी से उंगलियां चलाते हुए दिख जाते हैं। ये गेम्स हमें खेलने में बहुत रुचिकर भी होते हैं। अक्सर माता-पिता अपने छोटे बच्चों को कुछ देर के लिए अपने स्मॉर्टफोन दे देते हैं। एक या दो बरस के बच्चों भी मोबाइल फोन पर कार्टून वगैराह देखते हैं। किसी भी बात पर अगर छोटे बच्चे रोते हैं तो अभिभावक उसे तुरंत चुप करवाने के लिए उसके पसंद का कोई कार्टून फोन पर चला कर उसके थमा देते हैं। यह युक्ति अक्सर कारगर भी होती है। बच्चे अक्सर स्क्रीन्स पर दिखने वाले कार्टून की आवाज सुनकर उससे खेलने लगते हैं।

आमतौर पर ऑनलाइन गेम्स में कई लेवल होते हैं। शुरुआत में बहुत आसानी से खिलाड़ी जीत जाते हैं और अगले आसान लेवल खुलते रहते हैं। लेकिन लगभग हर गेम में इसके बाद कुछ लेवल पार करने के लिए अपग्रेड करना होता है या कोई खास टूल इस्तेमाल करना होता है। ज्यादातर गेम्स में अपग्रेडेशन या विशेष टूल्स के लिए पेमेंट्स करने पड़ते हैं। कई फाइटिंग या स्पोर्ट्स गेम्स में लाखों के टूल्स आते हैं। अधिकांश ऑनलाइन गेम्स मुफ्त में डाउनलोड तो हो जाते हैं किंतु उन्हें अपग्रेड करने के लिए भुगतान ही करना पड़ता है। ये गेम्स इस तरह इंटरैक्टिव बनाए जाते हैं कि खिलाड़ी को को खेलते-खेलते वास्तविकता के सा आभास होने लगता है। एक तरह से कहें तो इन गेम्स के यूजर्स को उनकी आदत सी हो जाती है। बच्चों के नन्हें दिमागों में हाइ इंटरैक्टिव गेम्स उन्हें बहुत आकर्षित और आश्चर्यचकित करते हैं।

वे गेम्स में खेलते वक्त ऑनलाइन प्रकट होने वाले नए कैरेक्टर्स, परिदृश्य, चुनौतियों को देखकर उत्साहित होते हैं। खेलते-खेलते वे गेम्स के व्यूह में फंस जाते हैं। अगर किसी एक स्टेज में वे जीत जाते हैं तो उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। आस पास की खबरों पर गौर करेंगे तो इन दिनों आए दिन ऑनलाइन गेम्स खेलने के कारण कोई न कोई आत्महत्या का मामला जरूर दिख जाएगा। चूंकि इन दिनों हमारे बैंक खाते भी ऑनलाइन होते हैं। या अगर हम ऑनलाइन बैंकिंग नहीं भी करते हैं और किसी दूसरे लोकप्रिय एप्लिकशन से पैसे का लेनदेन करते हैं तो उससे भी गेम्स के पेमेंट्स कर सकते हैं। इन दिनों मोबाइल फोन पर लोग तो खेलते-खेलते लोग चंद मिनटों में ही हजारों-लाखों रुपए फूंक देते हैं। ऑनलाइन गेम्स में खेलते समय पैसे फूंकने के अधिकतर मामले बच्चों से जुड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि बच्चों पर ऑनलाइन गेम्स का बहुत बुरा असर पड़ता है। ऑनलाइन गेम्स की आदत जुए जैसी होती है। हर बार खेलने वाले को लगता है कि वो बस फाइनल स्टेज पर पहुंचने वाला है लेकिन आखिरी पलों में उसे हार का सामना करना पड़ता है।

गेम्स में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए उसे कुछ आकर्षक से टूल्स मिलते हैं जिन्हें कुछ पैसों से खरीदा जा सकता है। या दोबारा से उसी स्टेज से खेलने के लिए कुछ पैसे देकर ये संभव हो जाता है। गेम डेवलपर फ्री में गेम्स देकर पैसे कमाने के इस फार्मूले को भलीभांति जानते हैं। लेकिन कम उम्र के बच्चे अगर इन गेम्स की लत की चपेट में आ गए तो उन्हें कई गंभीर मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। वे एकाकी रहने लगते हैं। पैसे हारने के अपराधबोध से वे आत्महत्या तक कर डालते हैं। अब तो कई घटनाएं ऐसी हो रहीं हैं जहां बच्चे गेम्स के लिए हत्या करने में भी हिचकते नहीं हैं। हमारे बच्चों का यह बर्ताव अप्रत्याशित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आनलाइन गेम्स को सेहत के लिए बहुत बुरा बताया है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इन दिनों बच्चों में गेमिंग डिसआर्डर के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इन दिनों बच्चों के अस्पतालों में अगर जाएं तो वहां बच्चों के व्यवहार या शरीर में किसी दिक्कत के होने पर डॉक्टर अक्सर पूछने लगे हैं कि बच्चे का स्क्रीन टाइम क्या है।

कहने का मतलब है कि बच्चा मोबाइल, कंप्यूटर आदि स्मॉर्ट मशीनों पर कितनी देर काम करता है। हो सकता है कि वे पढ़ते हां या खेलते हों लेकिन अधिक स्क्रीन टाइम बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। कोविड के बाद दुनियाभर में बच्चों के बीच पढ़ाई-लिखाई के लिए स्मॉर्टफोन का चलन बढ़ा है। इस बीच अभिभावकों ने भी बच्चों को पढ़ने के लिए फोन दिलवाए हैं। अधिक मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चों के शरीर पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। बहुत देर तक स्क्रीन पर काम करने के कारण बच्चों के आंखों में सूखापन आ जाता है। यही नहीं कई मामलों में तो आंखों की रोशनी कम हो सकती है। हाथों और रीढ़ की हड्डी में भी विकार आ सकते हैं। मोबाइल में व्यवस्त होने तथा आनलाइन ही खेलने के कारण बच्चे मोटापे का शिकार भी हो रहे हैं। इससे उनकी शारीरिक क्षमताओं पर असर पड़ रहा है। कुछ बच्चों में स्लीपिंग डिसऑर्डर या डिप्रेशन की समस्याएं भी हो रही हैं।

अब जब दुनिया पूरी तरह से ऑफलाइन खुल गई है तब भी देखने में आता है कि अधिकांश बच्चों ने मोबाइल का साथ नहीं छोड़ा है। बच्चों की मोबाइल से बढ़ती दोस्ती उन्हें कई खतरों की तरफ ले जाती है। हमें देखना और समझना होगा कि बच्चों का स्क्रीन टाइम कम से कम हो और वे गेम्स की लत से बच सकें। अभिभावकों को इस दिशा में जरूर सोचना होगा। इन दिनों हमारे बैंक आदि के खाते ऑनलाइन कई तरह के एप्प से लिंक्ड होते हैं। नतीजा अगर बच्चा ऑनलाइन गेम खेलता है तो कई बार वो छोटे-छोटे पेमेंट्स कर गेम के लिए नए टूल्स या लेवल खरीद सकता है। छोटी राशियों के लेनदेन का पता आसानी से नहीं लगता। लेकिन आदत लगने पर अगर गलती से भी कोई बड़ा भुगतान कर दिया तो बच्चा घबरा सकता है। माता-पिता के डर और गलती का अपराधबोध बच्चे को संकट में डाल सकता है। ऑनलाइन गेम्स का यह सबसे खतरनाक पहलू है। स्क्रीन पर एक टच करते ही पेमेंट्स होने से एक बार किसी भी गेम के लिए पेमेंट किया गया पैसा वापस नहीं आता। ऐसा हम बड़ों के साथ भी हो सकता है। ऐसे भी कई मामले आते हैं जिसमें किसी व्यक्ति ने गेम खेलते-खेलते अच्छी खासी रकम गंवा दी। मध्यप्रदेश में अब ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने के लिए जुआ एक्ट में संशोधन की बात चल रही है। यह बहुत अच्छी पहल है कि सरकारें इस दिशा में संवेदनशीलता के साथ सोच रही हैं। लेकिन हमारे बच्चे आनलाइन गेमिंग डिसआर्डर से बच सकें इसके लिए अभिभावकों को अपने बच्चों को समझते, उन्हें समझाते हुए उनसे संवाद करना होगा। गेमिंग कंपनियों को भी इस दिशा में सोचना होगा। उम्मीद है कि आने वाले वक्त में इस दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

जरनैल रंगा

गुरु का कार्य विद्यार्थियों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालना: प्रो. सोमनाथ

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि एक विद्यार्थी के जीवन में शिक्षक एक ऐसा महत्वपूर्ण इंसान होता है जो अपने ज्ञान, धैर्य, प्यार और देखभाल से उसके पूरे जीवन को एक मजबूत आकार देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के द्वारा मस्तिष्क एवं बुद्धि का विकास होता है। वहीं दीक्षा के द्वारा चेतना पैदा होती है जो विद्यार्थियों में सृजनात्मकता एवं बुद्धिमता का विकास करती है। वे सोमवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ट्रैनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल द्वारा विश्वविद्यालय के नवनियुक्त असिस्टैंट प्रोफेसरों के लिए आयोजित साप्ताहिक इंडक्शन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि शिक्षा से एक स्तर आगे दीक्षा का होता है। गुरू का अर्थ होता है जो अंधकार का निवारण करता है। हर एक व्यक्ति अपने आप में ब्रह्म है लेकिन उस पर पड़े अज्ञान के आवरण को गुरू के द्वारा ही दूर कर ज्ञान को विकसित किया जाता है। गुरू का कार्य विद्यार्थियों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालना होता है। शिक्षा का अर्थ केवल साक्षरता नहीं है बल्कि विद्यार्थियों को मूल्यपरक शिक्षा देकर उन्हें ज्ञानवान बनाना है ताकि वो सही और गलत की पहचान कर सके।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने नॉलेज, स्किल व एटिट्यूड को शिक्षा के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि नॉलेज का अर्थ किसी वस्तु की सही जानकारी होना है व ज्ञान के आधार पर उसके प्रयोग को कौशल कहा जाता है। वहीं एटिट्यूड बिल्डिंग का अर्थ योगयुक्त होकर कर्म करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास करना है अर्थात आत्मा, वाणी और मस्तिष्क का विकास। इस शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने के साथ विद्यार्थियों में नवाचार विकसित करना है। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य योगस्थ कुरू कर्माणि के विषय में बताते हुए कहा कि योग का अर्थ किसी भी प्रकार की परिस्थिति में विचलित न होना है।

कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक वो होता है जो अपने पूरे जीवन में विद्यार्थियों को केवल देता है लेकिन कुछ भी लेता नहीं है बल्कि वो अपने विद्यार्थियों की सफलता से बहुत खुश हो जाता है। एक बेहतरीन शिक्षक वो होता है जो अपने राष्ट्र के लिये एक बेहतरीन भविष्य की पीढ़ी उपलब्ध कराता है। केवल उचित शिक्षा से ही सामाजिक समस्या, भ्रष्टाचार आदि को खत्म किया जा सकता है जो अंतत: एक राष्ट्र को वास्तविक विकास और वृद्धि की ओर ले जायेगा। अपने देश के भविष्य और युवाओं के जीवन को बनाने और उसे आकार देने के लिये इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और कार्य को करने के लिये शिक्षकों को दिया जाता है। शिक्षा की ओर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को शिक्षक निभाता है और विद्यार्थियों के वर्तमान और भविष्य को बनाता है। अपने पूरे जीवन भर ढेर सारे विद्यार्थियों को निर्देशित और शिक्षित करने के द्वारा अच्छे समाज का निर्माण करने में शिक्षक एक महान कार्य करता है।

डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि इस इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय के इको सिस्टम, उपलब्धियों तथा शोध आदि के बारे में नव-नियुक्त शिक्षकों को जानकारी प्रदान करना है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आह्वान किया कि वो अपना शिक्षण का ध्येय लक्षित करके विश्वविद्यालय के हित में कार्य करें।

केयू के ट्रेनिंग, प्लानिंग एवं मॉनिटरिंग सेल के नोडल ऑफिसर डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने सभी का मुख्यातिथि सहित सभी का स्वागत करते हुए कि कुलपति प्रो. सोमनाथ के मार्गदर्शन में इस सेल के द्वारा 1600 गैर-शिक्षक कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं पहली बार इस सेल द्वारा नव-नियुक्त शिक्षकों के यह इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 32 नवनियुक्त सहायक प्रोफेसरों ने भाग लिया। एचआरडीसी के उप-निदेशक डॉ. सुनील ढुल ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन वर्षा ने किया।

छायाकार : राजरानी

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. मंजूला चौधरी, महिला चीफ वार्डन प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. एसके चहल, डॉ. दीपक राय बब्बर, डॉ. नरेश सागवाल, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास सभ्रवाल, डॉ. नीरज बातिश, डॉ. आशीष अनेजा, सहायक कुलसचिव डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. जितेन्द्र जांगडा, विनोद वर्मा, पवन कुमार, कृष्ण चंद पांडे, कृष्ण ग्रोवर, मनदीप शर्मा, सुनील, वर्षा मौजूद थे।

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने से पहले अच्छी तरह पड़ताल कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबध में किसी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। '**गजब हरियाणा**' समाचार पत्र के प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।

- समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है। लेखकों के विचार अपने है। इनसे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा। प्रकाशित सामग्री से प्रिंटिंग प्रैस का कोई लेना देना नही है।
- समाचार पत्र से सम्बधिंत किसी भी प्रकार की आपत्ति या पूछताछ प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अंदर संपादक के नोटिस में लाएं उसके पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई भी कार्यवाही मान्य नही होगी या पूछताछ का जवाब देने के लिए समाचार पत्र या संपादक मंडल पाबंद नहीं होंगे।
- यदि ब्यूरो प्रमुख, पत्रकार व विज्ञापन प्रतिनिधि आदि लगातार 60 दिन तक समाचार पत्र के लिए काम नही करता है तो उसका समाचार पत्र से कोई संबंध नही होगा, ना ही उसके किसी भी दावे पर कोई विचार किया जाएगा।

केयू के ऐतिहासिक फैसले बेअसर

केयू ने सभी को एरिअर दिया, अनुबंधित शिक्षकों का रू.3.98 करोड़ बकाया

166 अनुबंधित शिक्षकों को देना था आठ महिनें का एरियर

कुलपति ने साढें तीन महीनों के अंदर रिपोर्ट मांगी थी, अभी तक कार्यवाही नहीं

सैल्फ फाईनांस स्कीम शिक्षकों की पदोन्नति भी अभी तक लंबित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्विद्यालय के इतिहास में आने वाली प्रथम महिला कुलपति डॉ नीता खन्ना के द्वारा पारित किये गये दो ऐतिहासिक फैसले 22 सितंबर 2020 में पारित अभी भी अधर में लटके हुए हैं। दो ऐतिहासिक फैसलों में पहला अनुबंधित शिक्षकों का मानदेय 22 सितंबर 2020 से 55,770 रूपया देना एवं सैल्फ फाईनांस स्कीम शिक्षकों को पदोन्नति करना शामिल है। अनुबंधित शिक्षकों की तरफ से जारी किऐ गये संयुक्त ब्यान के अनुसार उनका वेतन 22 सितंबर 2020 से ना लागू करके विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मई 2021 से लागू करना, जिसमें 3.98 करोड़ रूपये का एरिअर ना वितरित करना अन्यायपूर्ण है। इस अन्याय के विरोध में अनुबंधित शिक्षकों ने अपनी आपत्ति कुलपति और कुलसचिव के समक्ष जाहिर करने की भरसक प्रयास किये लेकिन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बारे में सिरे से बातचीत क्या सोचना ही नहीं चाहा? ज्ञात है कि अनुबंधित शिक्षकों ने समान काम समान वेतनमान लागू करवाने हेतु सितंबर

2019 में तीन दिनों तक भूख-हड़ताल एवं मार्च 2021 में नौ दिन का 'लंच टाइम मार्च' भी निकालना पड़ा था। इस लंच टाइम मार्च में सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा ने भी संयुक्त रूप से आवाज बुंलद की थी, जिसके बावजूद भी वर्तमान तक एरिअर नहीं मिला है।

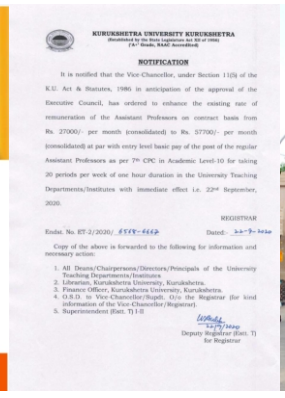

अनुबंधित शिक्षकों ने कहा कि माननीय कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने मई 2022 में एक प्रतिष्ठित हिंदी समाचार पत्र के माध्यम से संबंधित ब्रांच के अधिकारियों से रिपोर्ट लेने की बात कही थी लेकिन इस संबंध में अभी तक कोई कार्रवाही नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनके अतिरिक्त अपने सभी संबंधित स्थाई शिक्षकों, सैल्फ फाईनांस शिक्षकों, एवं गैर शिक्षकों एवं पैंशनधारियों को एरियर का लाभ दे चुका है, फिर हमसे ही क्यों अन्यायपूर्ण रवैया? यह एक अच्छे विद्वान शिक्षकों एवं अच्छे प्रशासकों के लिए नैतिकता से परे साबित करता है।

अनुबंधित शिक्षकों को वर्तमान में मिल रहा 57,700 रूपया सातवें वेतन आयोग की सिफारिश थी जिसमें उनको 28 प्रतिशत डी.ए. (डियरनंस अलाउंस) के साथ देना था जिसके अनुसार उनका वेतनमान लगभग 73,001 रूपये बनता है। इसे हरियाणा के एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ ने पिछले एक वर्ष से लागू किया हुआ है। अनुबंधित शिक्षकों के अनुसार इस बढती मंहगाई के दौर में उनका महंगाई भता नहीं देना एवं टैक्स पैयर होने के बावजूद उनको सर्विस लाभ नहीं देना भारत सरकार के द्वारा लिये गये 'समान काम समान वेतन' को छह वर्षो से लागू नहीं करना, भारत सरकार एवं माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में है। क्या विश्वविद्यालय प्रशासन इन दोनों से सुप्रीम समझने लगा है?

अनुबंधित शिक्षकों ने कहा कि पूर्व कुलपति डॉ नीता खन्ना ने सैल्फ फाईनांस स्कीम के शिक्षकों के हितों में लंबित पदोन्नति की मांग को अपने कार्यकाल में लागू करने का आदेश पारित किया था, जिसे वर्तमान प्रशासन लागू नहीं कर पाया है जो अभी लंबित हैं। आदेश पारित के अनुसार सैल्फ फाईनांस स्कीम में अस्सिटेंट प्रोफेसर को एसोसिएट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर को प्रोफेसर में पदोन्नत करना सम्मिलित है। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन पिछले दो वर्ड्ढों में दो बार आवेदन लेने का नोटिस जारी कर चुकी है। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय में पिछले 15 वर्षो से अधिक सैल्फ फाईनांस स्कीम के तहत लगभग 100 शिक्षक कार्यरत है जो अपनी सेवाएं स्थाई शिक्षकों के साथ नियमित रूप से दे रहे हैं और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य के लिए कार्यरत हैं।

सूर्य ग्रहण मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना: शांतनु

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में सूर्य ग्रहण मेले का आयोजन 25 अक्टूबर 2022 को सायं 4 बजकर 27 मिनट से सायं 6 बजकर 25 मिनट तक किया जाएगा। इस सूर्य ग्रहण मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की सम्भावना है। इन श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत व्यवस्था के सभी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

उपायुक्त शांतनु शर्मा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में सूर्य ग्रहण मेले-2022 की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले उपायुक्त शांतनु शर्मा ने सूर्य ग्रहण मेले को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तृत रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि एडीसी को मेला प्रशासक बनाया गया है। उपायुक्त ने कहा कि सूर्यग्रहण मेले का आयोजन 25 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को ब्रह्म सरोवर व सन्निहित सरोवर की सफाई व मुरम्मत का कार्य तथा स्वच्छ जल भरवाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, अस्थाई बस स्टैंड का निर्माण करने व झांसा रोड़ पर भूमि निरीक्षण करने, मेला क्षेत्र व मेला क्षेत्र से बाहर जाने वाली सड़कों की मुरम्मत का कार्य पूरा करने, पार्किंग स्थलों पर अस्थाई निर्माण, लेवलिंग, सफाई व बेरिकेटिंग का प्रबंध करने के आदेश दिए है।

उन्होंने कहा कि सूर्य ग्रहण मेले की प्रचार-प्रसार की सामग्री का वितरण करने, पब्लिक एड्रेस सिस्टम व मीडिया सेंटर, यात्रियों को लाने ले जाने के लिए अतिरिक्त बसों व रेल चलाने, मेला क्षेत्र में यात्रियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र व दवाईयों का समुचित प्रबंध, यात्रियों के लिए पीने के पानी, अस्थाई शौचालय, नगर परिषद व हुडा क्षेत्र में लाईटों, सड़कों व सफाई की व्यवस्था, मेले से पूर्व व बाद में सफाई की समुचित व्यवस्था, अग्निशमन व एम्बूलेंस की समुचित व्यवस्था, कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए होमगार्ड व स्वयं सेवकों की डयूटी लगाने, मेला के दौरान मोटर बोट, गोताखोर व तैराकों की व्यवस्था, यात्रियों की सुविधा के लिए रसोई गैस व खाद्य वस्तुए की व्यवस्था, रेल गाडियों का अस्थाई ठहराव व रेलवे स्टेशन पर पानी, लाईट व सफाई की व्यवस्था, शहर को बेसहारा पशुओं से मुक्त करवाना, मेला क्षेत्र में लाईट व टैंट की व्यवस्था व वीआईपी घाट पर समुचित व्यवस्था, मेले में आए यात्रियों का बीमा करवाने के प्रबंध करने के आदेश दिए है।

मेला प्रशासक एवं एडीसी अखिल पिलानी ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने अधीनस्थ कार्यों का ब्यौरा तैयार करेंगे और 15 सितंबर तक टेंडर आदि की प्रक्रिया को पूरा करेंगे। सभी अधिकारियों को सूर्य ग्रहण मेले को लेकर मेहनत और ईमानदारी के साथ काम करना है ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी और दिक्कत का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर एसडीएम अदिति, एसडीएम सोनू राम, एसडीएम विनेश कुमार, एसडीएम कपिल शर्मा, नगराधीश चंद्रकांत कटारिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शहर की 45 कॉलोनियों को नियमित करने का सरकार के पास भेजा प्रस्ताव : सुधा

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि शहर की लगभग 45 कालोनियों को नियमित करवाने का प्रस्ताव सरकार के पास भेजा गया है। इस प्रस्ताव के अनुसार सरकार इन सभी कॉलोनियों को जल्द ही नियमित कर देगी। इस विषय को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे है। इतना ही नहीं इन अवैध कालोनियों में 50 प्रतिशत मकान बन चुके है, उस कालोनी के लोग नियमानुसार नगर परिषद या उनके पास कॉलोनी को नियमित करवाने का प्रस्ताव दे सकते है।

विधायक सुभाष सुधा ने शनिवार को दूरभाष पर बातचीत करते हुए कहा कि शहर के लोगों को मूलभूत सुविधाएं देना सरकार और उनका प्रथम कर्तव्य है। इस कर्तव्य को पूरा करने के लिए दिन रात प्रयास किए जा रहे है। इस शहर में लोगों ने अवैध कालोनियों में मकान बना लिए है और अवैध होने के कारण सरकार की तरफ से तमाम सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। इसलिए लोगों की सुविधा को जहन में रखते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष लोगों की दिक्कतों को रखा गया। इसके लिए बकायदा प्रस्ताव रखा गया कि कुरुक्षेत्र की अवैध कालोनियों को वैध किया जाए ताकि लोगों को तमाम सुविधाएं मिल सकें। इस प्रस्ताव पर सरकार ने सर्वे करवाया और कुछ जगहों पर आगामी कुछ दिनों में सर्वे का पूरा कर लिया जाएगा। इस शहर में लगभग 45 कॉलोनियों का सर्वे किया गया है। इन कॉलोनियों ने सरकार के सभी नोर्मस को पूरा कर लिया है। इस लिए इन कालोनियों के वैध होने का रास्ता खुल गया है।

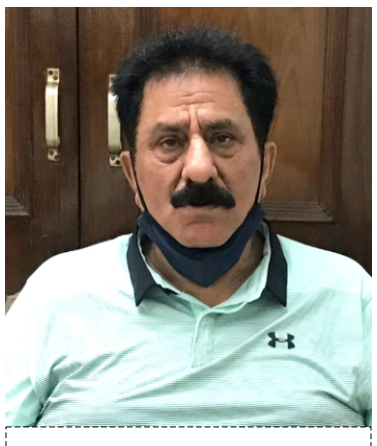

कालोनी में 50 प्रतिशत मकान बनने पर नियमित करवाने के लिए नप के पास करेंगे आवेदन, लोग विधायक के पास भी भेज सकते है अपना प्रस्ताव

उन्होंने कहा कि शहर में अगर अब भी जिन कॉलोनियों में 50 प्रतिशत से ज्यादा मकान बन चुके है, इन कालोनी के लोग अपनी कालोनी को नियमित करवाने के लिए नगर परिषद या उनके पास प्रस्ताव दे सकते है। इन सभी प्रस्तावों पर अमल किया जाएगा। इसके बाद सरकार की तरफ से किसी भी कालोनी को नियमित नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी लोग भविष्य में नियमित कालोनी में ही प्लाट ले ताकि उस कालोनी में सभी मूलभूत सुविधाएं मिल सके। सरकार हर वर्ग और व्यक्ति के लिए योजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम कर रही है।

डाचर में मनाया गया स्वामी समनदास का जन्मदिवस

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । स्वामी समनदास के जन्मदिवस पर गांव डाचर में सत्संग का आयोजन किया गया। इस मौके पर गुरु रविदास की वाणी का गुणगान किया। कीर्तनी जत्थे द्वारा भजनों व सुंदर गीतों के माध्यम से गुरु रविदास की महिमा का गुणगान किया। वहीं स्वामी समनदास के द्वारा किए गए कार्यों को लेकर भी उनका बखान किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल ने बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। उन्होंने इस मौके पर साध संगत को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के लोग अपने बच्चों को श्री गुरु रविदास के संदेश और बाबा साहेब की शिक्षाओं से जागरूक करें । उन्हें अच्छी शिक्षा दें, ताकि बच्चे संस्कारवान बने और अपना भविष्य संवारे श्री गुरु रविदास मंदिर धर्मशाला सभा कमेटी कार्यकारिणी के सदस्य एडवोकेट नरेश रंगा ने स्वामी समनदास के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और बताया कि उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज में जागृति लाने का काम किया है। ऐसे संत महापुरुष समाज को आगे बढ़ाने का काम

छायाकार : राजरानी

करते हैं। उन्होने श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में कमेटी अच्छा कार्य कर रही है। इस मौके पर आयोजकों की ओर से सूरजभान नरवाल व अन्य अतिथियों को श्री गुरु रविदास जी का चित्र और सरोपा भेंट कर सम्मानित किया । इस मौके पर बहुजन प्रवक्ता रामनिवास मोहडी, दीपक कमोदा आदि मौजूद रहे।

पूर्णिमा के अवसर पर अमृतबाणी श्री गुरु रविदास जी महाराज
कैंथला खुर्द में सजा कीर्तन दरबार

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । रविवार को गांव कैंथला खुर्द में पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतबाणी के कीर्तन दरबार सजाए गए। कीर्तनी जत्था भाई राजवीर गरनाला व उनकी टीम द्वारा गुरु रविदास जी महाराज की वाणी का प्रचार प्रसार किया गया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी महाराज के संदेश आज विश्व भर में प्रासंगिक है। गुरु जी ने सभी धर्म के लोगों को एकता,समानता भाई-चारे का संदेश देते हुए संगत पंगत की शुरुआत की। इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा की जा रही जन सेवाओं के कारण बेगमपुरा चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलवंत सिंह को डॉ. बीआर अम्बेडकर एसोसिएशन कैंथला खुर्द द्वारा सरोपा पहना कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव प्रो. प्रवीण, राजकुमार, सोहन, अशोक, मदन लाल, सुरेश, राम रत्न, सोहन सिंह, कबीर दादूपुर, कर्मवीर, शम्मी सहित भारी संख्या में संगत मौजूद रही ।

गोहाना रैली में शामिल होने के लिए पिपली से रवाना हुए आढ़ती

गजब हरियाणा न्यूज/रविन्द्र

पिपली । हरियाणा सरकार की नीतियों का आढ़ती लगातार विरोध कर रहे हैं और सरकार की नितियों को आढ़ती अपने खिलाफ बताकर इन्हें दमनकारी बता रहे हैं। शनिवार को स्टेट अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के आह्वान पर गोहाना में आयोजित आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या आढ़ती पिपली से वाहनों में रवाना हुए जिनकी अगुवाई पिपली अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान अमीर चंद ने की। इस दौरान मुख्य रूप से एसोसिएशन के जिला प्रधान बनारसी दास व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं जिला महासचिव धर्मपाल मथाना ने शिरकत कर संबोधित किया।

बनारसी दास ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नए आदेश जारी कर एमएसपी से अलग प्राइवेट बिकने वाली सभी फसलों की खरीद फरोख्त ई-नेम के जरिए करेगी। यह प्रणाली व्यापारी के हित में नहीं है। ई-नेम बड़ी कठिन प्रक्रिया है। फसलों की खरीद फरोख्त कंप्यूटर द्वारा जाएगी। ऐसे में खरीददार को फसल का भुगतान उठान से पहले सीधे किसान के खातों में करना होगा और इससे किसानों को भी इस प्रणाली से नुकसान होगा।

जिला महासचिव धर्मपाल मथाना ने कहा कि सरकार ने आढ़त घटाई और फीस बढ़ा दी है जबकि पहले यह ढ़ाई प्रतिशत होती थी ऐसा करके आढ़तियों के साथ नाइंसाफी की गई और मार्किट फीस दोबारा से एक से बढ़ाकर चार रुपए कर दी है इसका सीधा असर किसानों व आढ़तियों पर पड़ेगा। ऐसा करके सरकार आढ़ती व किसानों के रिश्ते को खत्म करने पर आमादा है इसे किसी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। इस मौके पर उपप्रधान अजय सैनी, मोहित गर्ग कैशियर, पवन मदान सहसचिव, बनारसी दास, अमरीक सिंह, रजनीश, सतीश, सतबीर सैनी, चिंटू, सतपाल, जगदीश, सुभाष, नैब सैनी, राजपाल, अशोक कुमार, जितेंद्र कोशिक, शेर सिंह, बलकार, जोगिंद्र सिंह, दिनेश कुमार, नरेंद्र पाल, दीपांशु, मांगे राम, विनोद कुमार, राजकुमार राजु , रवि कुमार, रामकुमार, राजबीर आदि मौजूद रहे।

उपभोक्ता की शिकायत प्राप्त होने पर होगी तुरंत कार्यवाही : अशोक रोहिल्ला

गजब हरियाणा न्यूज/शर्मा

बाबैन, बाबैन केंद्र पर नवनियुक्त ए.एफ.एस.ओ अशोक रोहिल्ला के द्वारा कार्यभार संभालने के उपरांत सभी डिपोधारकों की बैठक ली गई ।इस बैठक में ए.एफ.एस.ओ अशोक रोहिल्ला के द्वारा सभी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । उन्होंने कहा कि वे सब अपने डिपो स्थलों पर साइन बोर्ड, स्टाक बोर्ड, लाभार्थियों की सूची, निगरानी कमेटी के सदस्यों के नामों की सूची आदि लगाना सुनिश्चित करें तथा सरकार के दिशा निर्देश अनुसार लाभार्थियों को राशन वितरण समय पर करें । उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कार्यरत होटल, ढाबों व रेस्टोरेंट मालिक घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग न करें व व्यवसायिक गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करें।

ए.एफ.एस.ओ अशोक रोहिल्ला ने सभी गैस एजैंसी संचालकों को दिशानिर्दश देते हुए कहा कि वे उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपल्ब्ध करवाना सुनिश्चित करें तथा डिलिवरी मैन परोपर ड्रेस में हों तथा गाडी पर गैस सिलेंडर के तोलने का यत्र अवश्य मौजूद हो तथा उपभोक्ताओं को रेट व वेट की रसीद देना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी उपभोक्ता की शिकायत प्राप्त होने पर सरकार की हिदायतों के अनुसार तुरंत कार्यवाही की जाएगी।

कुत्तों की एक प्रदर्शनी

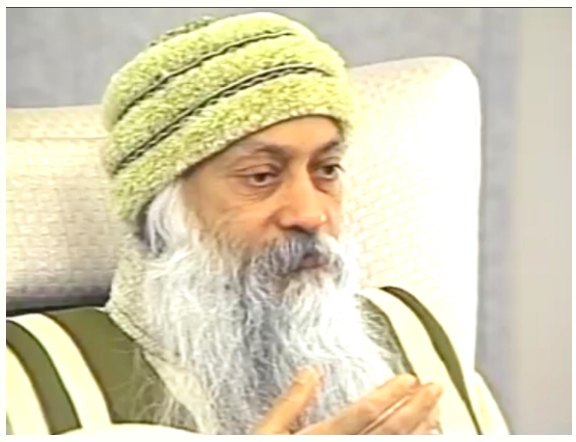

मैंने सुना कि कुत्तों की एक प्रदर्शनी थी पेरिस में। रूसी कुत्ते भी भाग लेने आए थे। फ्रेंच कुत्तों ने पूछा कि भई, रूस के कुछ हालचाल कहो! बड़ी मुश्किल से रूसियों से मिलना होता है! तो कुत्तों ने कहा, आनंद ही आनंद है। सुख ही सुख है। स्वर्ग है। लेकिन जब प्रदर्शनी खत्म होने लगी तो रूसी कुत्तों ने फ्रेंच कुत्तों से कहा कि कोई तरकीब बताओ कि अब हमें रूस न जाना पड़े। उन्होंने कहा, अरे, स्वर्ग ही स्वर्ग है, सुख ही सुख है, रूस क्यों नहीं जाना चाहते? उन्होंने कहा, और सब तो ठीक है, भौंकने की आजादी बिलकुल नहीं। अब क्या खाक करें सुख का! जहां भौंक ही न सकते हों! और कुत्ते कस सबसे बड़ा सुख कि भौंकने की आजादी होनी चाहिए। विचार-स्वतंत्रता! उसने कहा, और सब तो ठीक है--अरे मक्खन खिलाओ, मगर खा कर भी क्या करेंगे जब भौंक ही नहीं सकते! आत्मा को ही मार डाल रहे हो। अब जाने की इच्छा नहीं है। यहां कम से कम भौंकने की आजादी तो है। वहां गले में सुरसुरी चलती रहती है, मगर दबाए बैठे रहो! संयम साधना पड़ता है। भौंक नहीं सकते।

रूस से लोग बाहर क्या निकल जाते हैं, फिर लौटना नहीं चाहते। कैसे सुख है यह? जो बाहर निकल गया, वह फिर पीछे नहीं लौटता

इस तरह सुख हो नहीं सकता। यह बात फिर टाल दी गयी। सुख के लिए एक आधारभूत नियम ख्याल में लो, मैं जिम्मेवार हूं अपने दुख का, मैं निर्माता हूं, मैं स्रष्टा हूं। न कोई पिछला जन्म, न कोई भाग्य, न कोई भगवान, न कोई समाज, न कोई व्यवस्था। मैं, मेरा अहंकार, मेरी मूढ़ता, मेरा अज्ञान, मेरी मूर्च्छा! कष्ट होता है इस बात को स्वीकार करने में-- पीड़ा होती है इस बात को स्वीकार करने में। मगर इस पीड़ा को जो स्वीकार कर लेता है उसके जीवन में क्रांति की शुरुआत है। क्योंकि यह आधा पहले। जैसे यह समझ में आ गया, तब तुम्हारे हाथ में है; बदल दो! बदल दो जिंदगी का ढंग फिर। मोड़ दो नाव। कोई तुम्हें रोकने वाला नहीं है।

ऐसे ही मैंने आनंद जाना है।

जिंदगी के सब पहलू तुम्हारे हाथ में हैं, तुम मालिक हो। यह मैं अपने अनुभव से कहता हूं। यह मैं किसी शास्त्र की बात नहीं दोहरा रहा हूं, यह मेरे स्वयं का अनुभव है। और इसलिए मैं जरा भी स्वीकार नहीं कर सकता, कोई लाख, कहे कि कोई और जिम्मेवार है। मैं भी दुखी था, जैसे तुम दुखी हो, जैसे कोई भी दुखी है, लेकिन जिस दिन यह समझ में आ गयी कि मैं ही जिम्मेवार हूं, उसी दिन से क्रांति हो गयी। उसी दिन से महल में उजाला हो गया। उसी दिन से दीया जल गया।

यह प्रार्थना ऊपर-ऊपर से तो अच्छी लगती है, पूर्णानंद
न त्वहं कामये राज्यम न स्वर्ग न स्वर्ग पूर्णानंद
कामये दुखक्तप्तानाम प्राणिनाम आर्तिनाशम।।

मैं अपने लिए राज्य नहीं चाहता, न स्वर्ग, न मोक्ष, मैं तो यह चाहता हूं कि दुख से तपे हुए प्राणियों की पीड़ा का नाश हो। यह किसी अज्ञानी की प्रार्थना है। किसी ने भी कही हो, जो जानता नहीं, उसने कही है। नहीं तो प्रार्थना करने का सवाल नहीं है।

और दूसरी बात ख्याल रखो कि तुम अगर स्वयं अभी मुक्त नहीं हुए हो, तुमने अगर स्वयं अभी अपने भीतर का स्वर्ग नहीं जाना है, अगर तुमने अभी तक स्वयं के भीतर का राज्य नहीं पाया है, तो तुम खाक किसी और को बोध दे सकोगे! जिसके पास आनंद है, वही आनंदित होने का सूत्र दे सकता है। और जिसके पास प्रकाश है, वही तुम्हें भी प्रकाशित होने का मार्ग सुझा सकता है। क्योंकि उसके जीवन में कैसे अंधकार प्रकाश बना, वह राज को जानता है; वह उस कीमिया को पहचानता है; वह तुम्हें भी कीमिया दे सकता है। प्रार्थनाएं सिर्फ अज्ञानी करते हैं। प्रार्थनाओं से कुछ भी नहीं होता।

मेरे जीवन-दर्शन में प्रार्थना का दूसरा ही अर्थ है। मेरे जीवन-दर्शन में प्रार्थना का अर्थ है, वह व्यक्ति प्रार्थना करने में समर्थ है जो परम आनंद को उपलब्ध हो गया है। उसकी प्रार्थना क्या होगी ?उसकी प्रार्थना होगी= धन्यवाद, अनुग्रह का भाव;इस समस्त अस्तित्व के प्रति एक परम अनुग्रह। वह झुक जाएगा। इतना दिया है! चांदत्तारों के उसकी झोली भर दी। सारा आकाश उसका हो गया। सब उसका है। प्रतिपल स्वर्णमय हो उठा है। हर घड़ी रहस्य के नये द्वार खुलते चले जाते हैं। उसकी प्रार्थना मांग नहीं होगी। हमारी प्रार्थनाएं तो मांग होती हैं।

प्रार्थना शब्द का मतलब ही मांगना हो गया। मांगने वाले को हम प्रार्थी कहते हैं। और ठीक ही,क्योंकि प्रार्थना लोग करते ही इसलिए हैं कि कुछ मांगना है। अब यह आदमी भी यूं तो कह रहा है कि न मुझे राज्य चाहिए, न स्वर्ग, न मोक्ष लेकिन दूसरों को दुखों से मुक्त करो। मांग तो जारी है। और इस भांति में मांग कर रहा है दूसरों के लिए कि इस बहाने अपना मोक्ष तय हो जाएगा। न हुआ मोक्ष तय तो कम से कम स्वर्ग तो हो ही जाएगा। न हुआ स्वर्ग तो कम से कम राज्य तो पक्का ही है। क्योंकि कहा है कि परोपकार पुण्य है। परोपकार कर नहीं रहा, सिर्फ प्रार्थना कर रहा है परमात्मा से कि तुम परोपकार करो। परमात्मा को थोड़ी सलाह दे रहा! जैसे परमात्मा को खुद बोध न हो। जैसे इन सज्जन को परमात्मा को बोध देना आवश्यक हो। ये जरा परमात्मा को जगा रहे हैं कि कुछ करो! क्या सोए पड़े हो! उठो, लोग दुख से भरे हैं, इनको मुक्त करो! इनको दुख से छुटकारा दिलाओ! और फिर स्वभावत: जब मैंने तुम्हें इतने कीमती सलाह दी, तो अब कहना क्या है, मतलब तुम खुद ही समझ लो! कि स्वर्ग, राज्य, मोक्ष...जो मर्जी हो! भीतर छिपी हुई वासना है। तुम्हारी प्रार्थना वासना ही हो सकती है। सिर्फ बुद्धों की प्रार्थना वासना नहीं होती, वह धन्यवाद होती है। और जब प्रार्थना धन्यवाद होती है, तब उसमें सौंदर्य और, उसकी महिमा और!

ओशो प्रवचनो से संकलित हिंदी बोध कथा 688
दीपक बार नाम का-(प्रश्नोत्तर)-प्रवचन-01

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कनाडा के सेमिनार में 104 संस्थाओं के प्रतिनिधि करेंगे पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों पर मंथन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कनाडा में देश-विदेश की 104 धार्मिक और सामाजिक संस्थाए जीओ गीता कनाडा के नेतृत्व में महोत्सव का आयोजन करेंगी। इस महोत्सव के आयोजन के लिए विदेशी धरती पर पहली बार इतनी संस्थाओं को एक मंच पर देखा जाएगा। इन संस्थाओं के प्रतिनिधि पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों पर मंथन और चर्चा करेंगे ताकि पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश जन-जन तक सहजता से पहुंच सके। अहम पहलू यह है कि सेमिनार के साथ-साथ पवित्र ग्रंथ गीता और कुरुक्षेत्र 48 कोस के इतिहास को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। इन संस्थाओं का सहयोग केडीबी द्वारा किया जा रहा है। यह सेमिनार कनाडा के लिविंग आर्ट सेंटर मिसीसागा में होगा।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कनाडा-2022 की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। यह तैयारियां जीओ गीता के नेतृत्व में 104 संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा की जा रही है। इस आईजीएम कनाडा 2022 में कनाडा में रहने वाले हरियाणा के मूल निवासी गुलाब सिंह, संदीप गुप्ता, आचार्य ऋषि राम, सतीश ठक्कर, नवल बजाज, राजेश वशिष्ठ, सौम्या मिश्रा, सुमित, सुरेश अग्रवाल, हेमंत पंवार, पम्मी कपूर, दीपन, अभिषेक तंवर आदि का अहम योगदान है। इन लोगों के प्रयासों से ही आईजीएम कनाडा-2022 का सफल आयोजन होगा। इन तमाम पहलुओं पर कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कनाडा-2022 में जीओ गीता के नेतृत्व में देश-विदेश की 104 संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह प्रतिनिधि पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के विषय पर चर्चा करेंगे।

उन्होंने कहा कि आईजीएम कनाडा-2022 अब 4 दिवसीय होगा। इस महोत्सव में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के मार्गदर्शन में तमाम कार्यक्रमों का आयोजन होगा और 19 सितंबर को ब्रैंपटन सिटी ओंटोरियो में गीता पार्क भूमि पूजन का भी आयोजन किया जाएगा और इस जगह पर करीब 3.75 एकड़ में गीता पार्क बनाई जाएगी और इस पार्क में कुरुक्षेत्र की तर्ज पर श्रीकृष्ण-अर्जुन रथ की भी स्थापना की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थल के रुप में विकसित करने और पवित्र ग्रंथ गीता को जन-जन तक पहुंचाने के विशेष प्रयास किए गए है।

पार्लियामेंट हिल ओटावा में 16 सितंबर से शुरु होगा अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विशेष प्रयासों और जिओ कनाडा, जीटीए मंदिर, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं व जय श्रीकृष्णा के तत्वाधान में कनाडा में 16 से 19 सितंबर 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का शुभारंभ 16 सितंबर को पार्लियामेंट हिल ओटावा से होगा। इस पार्लियामेंट में पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को मिसिसॉगा में सुबह के सत्र में लिविंग आर्ट सेंटर में श्रीमद भगवद गीता पर सेमिनार होगा और सायं के समय श्रीकृष्ण कथा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, 18 सितंबर को डूडांस स्क्वायर टोरंटो में शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा और इस महोत्सव के अंतिम दिन 19 सितंबर को ओन्टारियो पार्लियामेंट में पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों पर चर्चा होगी और ब्रैंपटन सिटी ओंटारियो में गीता पार्क भूमि पूजन होगा।

अमृतवाणी

अमृतवाणी

सतगुरु कबीरदास जिओ की

जय गुरुदेव जी

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान। शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान।

व्याख्या : सतगुरु कबीरदास जी कहते हैं कि यह जो शरीर है वो विष से भरा हुआ है और गुरु अमृत के समान है । अगर आपको शीश (सर) देने के बदले आपको सच्चा गुरु/अच्छे गुण/शिक्षा मिल रही हैं तो यह सबसे सस्ता सौदा है।

धन गुरुदेव जी

भारतीय संविधान

भारतीय संविधान के भाग और अनुच्छेद 74 से 106

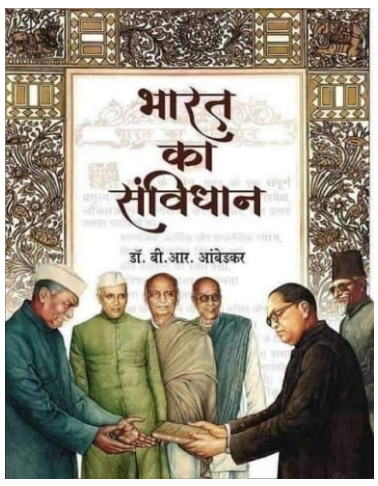

केन्द्रीय मंत्रि-परिषद

अनुच्छेद 74: राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद

अनुच्छेद 75 : मंत्रियों के बारे में उपबंध

भारत का महान्यायवादी

अनुच्छेद 76: भारत का महान्यायवादी

अनुच्छेद 77 : भारत सरकार के कार्य का संचालन

अनुच्छेद 78 : राष्ट्रपति को जानकारी देने के प्रधानमंत्री के कर्तव्य

अनुच्छेद 79: संसद का गठन

अनुच्छेद 80 : राज्य सभा की सरंचना

अनुच्छेद 81 : लोकसभा की संरचना

अनुच्छेद 82 : प्रत्येक जनगणना के पश्चात पुन-समायोजन

अनुच्छेद 83: संसद के सदनो की अवधि

अनुच्छेद 84 : संसद के सदस्यों के लिए अहर्ता

अनुच्छेद 85 : संसद का सत्र सत्रावसान और विघटन

अनुच्छेद 87 : राष्ट्रपति का विशेष अभी भाषण

अनुच्छेद 88 : सदनों के बारे में मंत्रियों और महानयायवादी अधिकार

संसद के अधिकारी

अनुच्छेद 89 : राज्यसभा का सभापति और उपसभापति

अनुच्छेद 90 : उपसभापति का पद रिक्त होना या पद हटाया जाना

अनुच्छेद 91 : सभापति के कर्तव्यों का पालन और शक्ति

अनुच्छेद 92 : सभापति या उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो तब उसका पीठासीन ना होना

अनुच्छेद 93 : लोकसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

अनुच्छेद 94 : अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना

अनुच्छेद 95 : अध्यक्ष में कर्तव्य एवं शक्तियां

अनुच्छेद 96 : अध्यक्ष उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प हो तब उसका पीठासीन ना होना

अनुच्छेद 97 : सभापति उपसभापति तथा अध्यक्ष,उपाध्यक्ष के वेतन और भत्ते

अनुच्छेद 98 : संसद का सचिवालय

अनुच्छेद 99 : सदस्य द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

अनुच्छेद 100 : संसाधनों में मतदान रिक्तियां के होते हुए भी सदनों के कार्य करने की शक्ति और गणपूर्ति

अनुच्छेद 101 : स्थानों का रिक्त होना

अनुच्छेद 102 : सदस्यता के लिए निरर्हताएं

अनुच्छेद 103: सदस्यों की निरर्हताओं से संबंधित प्रश्नों पर विनिश्चय

अनुच्छेद 104 : अनुच्छेद 99 के अधीन शपथ लेने या प्रतिज्ञान करने से पहले या निरर्हित किए जाने पर बैठने और मत देने के लिए शास्ति संसद और उसके सदस्यों की शक्तियां, विशेषाधिकार और उन्मुक्तियां

अनुच्छेद 105: संसद के सदनों की तथा उनके सदस्यों और समितियों की शक्तियां, विशेषाधिकार आदि

अनुच्छेद 106 : सदस्यों के वेतन और भत्ते

यूट्यूब व फेसबुक पर
गजब हरियाणा न्यूज
चैनल को लाईक व सब्सक्राइब करें।
91382-03233
रोजाना की खबरों के लिए देखें वेबसाईट
www.gajabharyana.com

मगध नरेश अजातशत्रु

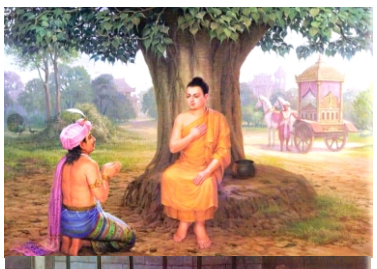

मगध नरेश अजातशत्रु, तथागत से हद से ज्यादा घृणा करता था। हत्या करवाने की भी कोशिश की। लेकिन बुद्ध और धम्म की शरण जाने के बाद वह पश्चाताप में विलाप करता था।

वैदेहीपुत्र अजातशत्रु ने राजसिंहासन के लिए पिता बिंबिसार को जेल में डाल दिया। भोजन पानी बंद कर दिया। क्रूरता की भी हद कर दी, जेल में नाईयों द्वारा उनकी पगथली चिरवा कर, उसमें नमक भरकर आग से जला कर मरवा दिया।

सम्राट बिंबिसार भगवान बुद्ध के परम अनुयायी थे लेकिन पुत्र अजातशत्रु बुद्ध का घोर विरोधी। बुद्ध की हत्या करवाने की भी नाकाम कोशिश की। लेकिन जब होश आया तो पछताने के सिवाय कुछ नहीं था। अपने पाप कर्मों का प्रायश्चित करता था। भगवान ने भी उसे माफ़ कर दिया। फिर परम अनुयायी बना।

भगवान के महापरिनिर्वाण का समाचार पाने पर मगध नरेश अजातशत्रु के मंत्रियों ने सोचा, राजा यह शोक संदेश सुनकर बहुत दुखी हो जाएंगे। उन्होंने यह दुखद समाचार एकाएक नहीं बताया। एक उपाय किया।

एक मंत्री ने अपने सभी आभूषणों को उतारे, बाल बिखेर कर जिस दिशा में भगवान परिनिर्वृत हुए थे उस ओर मुंह करके हाथ जोड़ नमस्कार कर कहा, देव! कोई भी ऐसा प्राणी नहीं है जो मृत्यु से मुक्त हो, सभी मृत्यु को प्राप्त होते हैं। आज हमारे भगवान, हमारे शास्ता कुशीनगर में परिनिर्वृत हो गए हैं।

यह सुनते ही वैदेहीपुत्र अजातशत्रु बेहोश हो गया। मंत्रियों ने संभाला। होश आते ही राजा ने पूछा, तात ! क्या..कहा है?

महाराज! भगवान परिनिर्वृत हो गए है।

यह सुनते ही अजातशत्रु फिर बेहोश हो गया। मंत्रियों ने चेहरे पर ठंडे पानी के छींटे लगाए, हर तरीके से संभालने की कोशिश की. लेकिन मगध नरेश पागलों की तरह छाती पीटते और विलाप करते हुए राजवैद्य जीवक के आम्रवन की ओर चल पड़े, जहां भगवान ने उन्हें उपदेश दिया था।

उस समय की बातों को याद करके वह बहुत दुखी हो गए...भंते! यहां भगवान ने हमें उपदेश दिया था. .. यहां मैं भगवान और धम्म की शरण गया था....भंते! भगवान कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं.. भगवान आप पूरे जम्बूद्वीप की यात्रा करते हैं, मैं

आपके बारे में यह कैसा समाचार सुन रहा हूं।

इस प्रकार विलाप करते रहे। अंत में मंत्रियों के समझाने पर बात समझ में आई कि अब विलाप करने से कोई लाभ नहीं। अजातशत्रु ने कुशीनारा पहुंचकर भगवान की अस्थि अवशेष (relics) लाने का फैसला किया।

वहां एकत्र आठ राजाओं को भगवान की अस्थि धातु बांटी गई। अजातशत्रु ने भगवान के अस्थि धातु पर एक भव्य चैत्य का निर्माण किया। भिक्षुओं के कहने पर मगध नरेश ने पुराने विहारों की मरम्मत करवाई। उसके बाद प्रथम बौद्ध संगीति के लिए राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में पांच सौ वरिष्ठ भिक्षुओं के लिए व्यवस्था की। इतना ही नहीं भिक्षु महाकश्यप के परामर्श से वैदेहीपुत्र अजातशत्रु ने राजगृह में धातु निधान की बनवाया ताकि भगवान की धातु सदियों तक सुरक्षित रहें।

सबका मंगल हो, सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुति डॉ.एम एल परिहार, जयपुर

अछूत कौन ?

तथागत बुद्ध प्रवचन सभा में आकर मौन बैठ गये। शिष्य समुदाय उनके इस मौन के कारण चिंतित हुए कि कहीं वे अस्वस्थ तो नहीं है। आखिर एक शिष्य ने पूछ ही लिया, भन्ते ! आप आज इस तरह मौन क्यों हैं? वे नहीं बोले तो दूसरे शिष्य ने फिर पूछा -गुरुदेव ! आप स्वस्थ तो हैं? बुद्ध फिर भी मौन ही बैठे रहे।

इतने में बाहर से एक व्यक्ति ने जोर से पूछा -आज आपने मुझे धर्मसभा में आने की अनुमति क्यों नहीं दी?

बुद्ध ने कोई उत्तर नहीं दिया और आंखें बन्द कर ध्यानमग्न हो गये। वह बाहर खड़ा व्यक्ति और जोर से बोला- मुझे धर्मसभा में क्यों नहीं आने दिया जा रहा है?

धर्मसभा में बैठे बुद्ध के शिष्यों में से एक ने उसका समर्थन करते हुए कहा- भन्ते! उसे धर्मसभा में आने की अनुमति प्रदान कीजिये।

महात्मा बुद्ध ने आंखें खोलीं और बोले- नहीं, उसे अनुमति नहीं दी जा सकती है क्योंकि वह अछूत है।

अछूत ! मगर क्यों? सारे शिष्य सुनकर आश्चर्य में पड़ गये कि भन्ते यह छुआछूत कब से मानने लग गये?

महात्मा बुद्ध ने शिष्य समुदाय के मन के भावों को ताड़ते हुए कहा हां, वह अछूत है। वह आज अपनी पत्नी से लड़ कर आया है। क्रोध से जीवन की शांति भंग होती है। क्रोधी व्यक्ति मानसिक हिंसा करता है। इस क्रोध के कारण ही शारीरिक हिंसा होती है। क्रोध करने वाला अछूत होता है क्योंकि उसकी विचार तरंगें दूसरों को भी प्रभावित करती हैं। उसे आज धर्मसभा से बाहर ही रहना चाहिए। उसे वहां खड़े रह कर पश्चाताप की अग्नि में तप कर शुद्ध होना चाहिए।

शिष्यगण समझ गये कि अस्पृश्यता क्या है और अछूत कौन है?

उस व्यक्ति को भी बहुत पश्चाताप हुआ । उसने कभी भी क्रोध न करने का प्रण

लिया। बुद्ध ने उसे धर्मसभा में आने की अनुमति प्रदान की।

चाँद पर खरगोश

गंगा के किनारे एक वन में एक खरगोश रहता था। उसके तीन मित्र थे - बंदर, सियार और ऊदबिलाव। चारों ही मित्र दानवीर बनना चाहते थे। एक दिन बातचीत के क्रम में उन्होंने उपोसथ के दिन परम-दान का निर्णय लिया क्योंकि उस दिन के दान का संपूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसी बौद्धों की अवधारणा रही है। (उपोसथ बौद्धों के धार्मिक महोत्सव का दिन होता है)

जब उपोसथ का दिन आया तो सुबह-सवेरे सारे ही मित्र भोजन की तलाश में अपने-अपने घरों से बाहर निकले। घूमते हुए ऊदबिलाव की नजर जब गंगा तट पर रखी सात लोहित मछलियों पर पड़ी तो वह उन्हें अपने घर ले आया। उसी समय सियार भी कहीं से दही की एक हांडी और मांस का एक टुकडा चुरा, अपने घर को लौट आया। उछलता-कूदता बंदर भी किसी बाग से पके आम का गुच्छा तोड, अपने घर ले आया। तीनों मित्रों ने उन्हीं वस्तुओं को दान में देने का संकल्प लिया। किन्तु उनका चौथा मित्र खरगोश तो कोई साधारण प्राणी नहीं था। उसने सोचा यदि वह अपने भोजन अर्थात् घास-पात का दान जो करे तो दान पाने वाले को शायद ही कुछ लाभ होगा। अत- उसने उपोसथ के अवसर पर याचक को परम संतुष्ट करने के उद्देश्य से स्वयं को ही दान में देने का निर्णय लिया।

उसके स्वयं के त्याग का निर्णय संपूर्ण ब्रह्माण्ड को दोलायमान करने लगा और सक्क के आसन को भी तप्त करने लगा। वैदिक परम्परा में सक्क को शक्र या इन्द्र कहते हैं। सक्क ने जब इस अति अलौकिक घटना का कारण जाना तो सन्यासी के रुप में वह उन चारों मित्रों की दान-परायणता की परीक्षा लेने स्वयं ही उनके घरों पर पहुँचे।

ऊदबिलाव, सियार और बंदर ने सक्क को अपने-अपने घरों से क्रमश: मछलियाँ; मांस और दही ; एवं पके आम के गुच्छे दान में देना चाहा। किन्तु सक्क ने उनके द्वारा दी गयी दान को वस्तुओं को ग्रहण नहीं किया। फिर वह खरगोश के पास पहुँचे और दान की याचना की। खरगोश ने दान के उपयुक्त अवसर को जान याचक को अपने संपूर्ण शरीर के मांस को अंगीठी में सेंक कर देने का प्रस्ताव रखा। जब अंगीठी जलायी गयी तो उसने तीन बार अपने रोमों को झटका ताकि उसके रोमों में बसे छोटे जीव आग में न जल जाएँ। फिर वह बडी शालीनता के साथ जलती आग में कूद पडा।

सक्क उसकी दानवीरता पर स्तब्ध हो

उठे। चिरकाल तक उसने ऐसी दानवीरता न देखी थी और न ही सुनी थी।

हाँ, आश्चर्य ! आग ने खरगोश को नहीं जलाया क्योंकि वह आग जादुई थी; सक्क के द्वारा किये गये परीक्षण का एक माया-जाल था।

सम्मोहित सक्क ने तब खरगोश का प्रशस्ति गान किया और चांद के ही एक पर्वत को अपने हाथों से मसल, चांद पर खरगोश का निशान बना दिया और कहा,

'जब तक इस चांद पर खरगोश का निशान रहेगा तब तक हे खरगोश ! जगत् तुम्हारी दान-वीरता को याद रखेगा।'

सरल पोर्टल के माध्यम से जारी होंगे आय प्रमाण पत्र : उपायुक्त राहुल हुड्डा

मुख्य सचिव द्वारा जारी किया गया परिपत्र

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने सरल पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव द्वारा इस संबंध में जारी किए गए परिपत्र के अनुसार हरियाणा का कोई भी सरकारी विभाग राज्य के किसी भी निवासी को आय संबंधी प्रमाण दस्तावेज जमा करने के लिए बाध्य नहीं करेगा। यदि वह परिवार पहचान संख्या (पीपीएन) प्रदान करता है और उसकी आय परिवार सूचना डाटा रिपोजिटरी (एफआईडीआर) में सत्यापित के रूप में चिह्नित है। एफआईडीआर में उपलब्ध पीपीएन से जुड़ी सत्यापित जानकारी से अब सरल पोर्टल के माध्यम से काउंटर पर आय प्रमाण पत्र जारी करना संभव हो गया है।

आय प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पोर्टल

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि पात्र निवासियों को सरल पोर्टल सरलहरियाणा डाटजीओवीडाटइन के माध्यम से पीपीएन के प्रावधानों के अनुसार आय प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र अतिरिक्त उपायुक्त-सह- जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी द्वारा उनके अधिकार क्षेत्र के तहत प्रमाण पत्र पर उनके प्रतिकृति हस्ताक्षर के माध्यम से जारी किए जाएंगे। पत्र में जारी निर्देशों में कहा गया है कि एफआईडीआर में निहित सत्यापित आय के आधार पर प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। एक व्यक्ति जो हरियाणा राज्य का निवासी है, आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने का हकदार होगा।

पीपीएन के आधार पर आय सत्यापन के लिए ऑनलाइन सेवा

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि एफआईडीआर में अपनी आय सत्यापित करने के इच्छुक निवासी मेरापरिवारडाट हरियाणाडाटजीओवीडाटइन/रिपोर्टग्रीवीयंस पोर्टल पर जाकर आय सत्यापन के लिए अनुरोध करते हैं, तो इसके पश्चात नामित लोकल कमेटी (एलसी) इसे सत्यापित करेगी और एफआईडीआर में सत्यापित के रूप में दर्ज करेगी।

आय प्रमाण पत्र की वैधता

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि एक बार जारी किया गया आय प्रमाण पत्र (इसके मानक प्रारूप में) जारी होने की तारीख से 31 मार्च (यह तिथि भी शामिल) तक वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए वैध होगा। वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी समय, यदि उचित प्रक्रिया के बाद भी, यह निष्कर्ष निकालता है कि आय प्रमाण पत्र पर आय का गलत उल्लेख किया गया था या किसी कारणवश एफआईडीआर में गलत तरीके से सत्यापित किया गया था तो आय प्रमाण पत्र अमान्य हो सकता है।

शिकायत निवारण और सुधार प्रक्रिया

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने बताया कि यदि कोई आवेदक एफआईडीआर में निहित अपनी आय से सहमत नहीं है, तो वह पीपीएन पोर्टल मेरापरिवारडाटहरियाणाडाट जीओवीडाटइन /रिपोर्टग्रीवीयंस के शिकायत मॉड्यूल पर पुनः सत्यापन के लिए अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के तहत हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण द्वारा अलग से अधिसूचित तंत्र के अनुसार शिकायतों का निपटारा किया जाएगा।

सामान्य नियम और शर्तें

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने कहा है कि आय प्रमाण पत्र बिना किसी प्रतिबंध के उपयोग किया जा सकता है, जहां इसे स्वीकार किया जाता है (अर्थात प्रमाण पत्र स्वीकार करने वाली इकाई द्वारा निर्धारित मानदंडों के अधीन) । इसलिए प्रमाण पत्र पर इसके उपयोग/प्रयोग्यता प्रतिबंध का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इस आदेश की प्रभावी तिथि से, केवल पीपीएन और एफआईडीआर में निहित सत्यापित डाटा के आधार पर नागरिक संसाधन सूचना विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में सरल पोर्टल के माध्यम से जारी आय प्रमाण पत्र ही वैध आय प्रमाण पत्र होंगे। किसी भी धोखाधड़ी, गलत बयानी या तथ्यों को छिपाने या किसी अन्य अवैध तरीके से प्राप्त आय प्रमाण पत्र को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और उम्मीदवार या आवेदक द्वारा प्राप्त लाभ वापस ले लिया जाएगा और आवेदक को तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने व धोखाधड़ी करने के लिए आपराधिक कार्यवाही सहित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके अलावा, अधिकारियों / अधिकृत व्यक्तियों के खिलाफ मिलीभगत या अन्यथा गलत सत्यापन के लिए भी आपराधिक कार्यवाही सहित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसी घटनाओं में, आय को एफआईडीआर में सत्यापित नहीं के रूप में मार्क किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केवल आय प्रमाण पत्र जारी होने से ऐसा प्रमाण पत्र रखने वाला व्यक्ति किसी भी लाभ के लिए हकदार नहीं होता, जो समय-समय पर लागू विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत स्वीकार्य हो सकता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि संबंधित प्राधिकारी समय पर दिए गए निर्देशों के अनुसार आवेदक के किसी विशिष्ट लाभ की पात्रता की जांच करें। किसी विशेष योजना के लाभ के लिए अन्य पात्रता मानदंड प्राधिकरण द्वारा अलग से संबोधित किए जाएंगे। हरियाणा सरकार के सभी संगठनों (विभागों, शैक्षिक संस्थानों, बोर्डों, निगमों और समितियों सहित) को समय-समय पर नागरिक संसाधन सूचना विभाग द्वारा निर्धारित मानक प्रारूप में आय प्रमाण पत्र स्वीकार करना आवश्यक है।

उपायुक्त ने कहा कि कोई भी सरकारी संगठन, जो किसी योजना, लाभ आदि के लिए आय प्रमाण पत्र की भौतिक प्रति स्वीकार करता है, पीपीपी पोर्टल पर उस व्यक्ति जिससे प्रमाण पत्र संबंधित है,की सत्यापित आय की वास्तविक समय स्थिति की जांच कर सकता है। हरियाणा का कोई भी सरकारी विभाग राज्य के किसी भी निवासी को आय संबंधी प्रमाण दस्तावेज जमा करने के लिए बाध्य नहीं करेगा, यदि वह परिवार पहचान संख्या (पीपीएन) प्रदान करता है और उसकी आय परिवार सूचना डाटा रिपोजिटरी (एफआईडीआर) में सत्यापित के रूप में चिह्नित है।

हमारे अंदर प्रकृति के अजीब नजारे : स्वामी ज्ञाननाथ

हम सब के अंदर यह दिव्य शब्दधुन हिलोरे ले रही है : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल सरोहा

अम्बाला/नारायणगढ़ । निराकारी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा अंर्तमुखी होकर सुरत-शब्द योग, ज्याति-नाद योग, लययोग का नित्यप्रति अभ्यास करते हुए प्रत्यक्ष में अनुभव और एहसास किया जा सकता है कि हमारे अंदर प्रकृति के अजीब नजारे, बहुमूल्य खजाने, सूर्य-चंद्रमा और सितारे, दिव्य ज्योति, मनमोहक कुदरती संगीत दिव्य-शब्दधुन, अनहद शब्द हमेशा स्वतः ही गुंजाएमान है। हम सब के अंदर यह दिव्य शब्दधुन हिलोरे ले रही है। इसी दिव्य शब्दधुन को धुनात्मक नाम और इलाही फरमान भी कहा जाता है। यह दिव्य शब्दधुन इस एकरस ओत-प्रोत जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वाधार परमात्मा की जान और शान है। इस दिव्य शब्दधुन और दिव्य ज्योति तथा दिव्य प्रकाश के रूप में परमात्मा हमारे अंदर प्रकट होता है। अगर ज्ञान और विवेक की दृष्टि से विचार किया जाए तो यह अकाटय सच है कि किसी उपयुक्त एकांत स्थान पर सुरत के द्वारा इस दिव्य शब्दधुन-अनहद शब्द को एकाग्रता और समग्रता से सुनना और नीरत के द्वारा दिव्य प्रकाश को देखना ही वास्तविक भक्ति है। मनुष्य द्वारा बनाई गई जड़ आकृतियों की पूजा-अर्चना और ध्यान करने की बजाए अंर्तमुखि होकर सुरत-शब्द, ज्योति नाद योग का अभ्यास करने से ही भक्ति फलीभूत होगी। हमारे अंदर दो दिव्य सूक्ष्म शक्तियां निरंतर काम कर रही हैं एक सूरत जो सुनने का काम करती है और दूसरी नीरत जो देखने का काम करती है। जब तक यह दोनो शक्तियां नही खलती तब तक साधक को नित्यप्रति वर्णानात्मक नाम का सिमरण करते रहना चाहिए। जब साधना-अराधना करके सुरत और नीरत खुल जाती हैं तो फिर वर्णानात्मक नाम को छोड़कर धुनात्मक नाम यानि कि दिव्य शब्दधुन को सुनने का अभ्यास करना चाहिए। साधक को हमेशा यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एक समय में सिर्फ एक ही काम करना चाहिए। जब दिव्य शब्दधुन को सुनते हो तो वर्णनात्मक नाम का जाप नही करना चाहिए और जब वर्णनात्मक नाम का जाप करते हैं तो शब्दधुन को नही सुनना चाहिए। इसके इलावा बाहरमुखि अनाप-शनाप धार्मिक कृत्यों से परमात्मा का प्रत्यक्ष में साक्षात्कार और अनुभव तथा हमेशा अंगसंग होने का एहसास नही हो सकता। बाहरमुखि धार्मिक कृत्य भक्ति का सिंगार हो सकते है परंतु ध्यान में बैठकर दिव्य शब्दधुन को सुनना ही वास्तविक भक्ति है। इन अदभुत कुदरती नजारों को सिर्फ नित्यप्रति साधना-अराधना करने वाला ही देख सकता है। बाहरमुखि साधन और अनाप-शनाप कर्मकांड करने वाला इन कुदरती नजारों को नही देख सकता। वास्तविकता से अनजान मनुष्य के अंतःकरण में जागृत अनेकों दिव्य शक्तियों का आभास नही हो सकता। मनुष्य की आत्मा प्रचंड शक्ति से ओत-प्रोत है। जड़वादी मान्यताएं जिज्ञासु को हमेशा हताश-उदास, निराश, अतृप्त, असहाय और असमर्थ बना देती हैं। आज के पदार्थवाद-भौतिकवाद के चलते दौर में मनुष्य जितनी शक्ति साधना की बजाए साधनों में जुटा रहा है उतना ही असंतोष, असमर्थ और क्या करूं, क्या ना करूं की असमंजस दिनोदिन बढ़ती जा रही है और इंसान असलियत से कोसों दूर हटता जा रहा है। साधक को यह भलिभांति समझ लेना चाहिए कि ऐसा सिर्फ आत्म विस्मृति के कारण होता है। अज्ञानता-अविद्या और अंधविश्वास के कारण मनुष्य अपने आत्म विभूतियों और अन्य दिव्य शक्ति से परिचित नही है।

लाडवा की जनता के लिए हमेशा रहूंगा समर्पित : संदीप गर्ग

पिपली की गणेश कालोनी के लोगों ने समाजसेवी संदीप गर्ग का किया जोरदार स्वागत

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग के द्वारा समाजसेवा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर गणेश कॉलोनी के लोगों ने आभार जताया और यहां पहुंचने पर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कालोनी वासी रमेश कुमार ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा लाडवा हल्के में अनेक भलाई के काम किये जा रहे हैं जिससे उनका कद दिनोंदिन बढ़ रहा है। ऐसे व्यक्तित्व को राजनीति में आकर सेवा करनी चाहिए क्योंकि लाडवा हल्के की जनता भी ऐसा ही समाजसेवी विधायक चाहती है, जोकि सरकार के पैसों के साथ-साथ अपने निजी कोष से भी हल्के के लोगों की भलाई के काम कर सकें। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा लाडवा हल्का में इतने काम किये जा रहे हैं जिन्हें शब्दों में ब्यां नहीं किया जा सकता है। अनेक राजनीतिक लोग चुनाव के समय में ही हल्के से नजर आते हैं। परंतु यह समाजसेवी हल्के की जनता की सेवा करने में लगे हुए हैं। अब उन्हें राजनीति में उतरकर किसी न किसी पार्टी का दामन थाम लेना चाहिए या फिर आजाद ही चुनाव लड़कर लाडवा हल्के की जनता की आवाज उठानी चाहिए।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कालोनी वासियों का आभार जताते हुए कहा कि वह हमेशा लाडवा हल्के की जनता के लिए समर्पित हैं व उनके द्वारा जो भी कार्य किये जा रहे हैं वह सब लाडवा हल्के की जनता के सहयोग से ही किये जा रहे हैं। उनके बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है। इस मौके पर सूरज, मोनू, प्रेम, पूर्ण चंद, अजमेर, गंगा देवी, शांति देवी, कमलेश, बेला सहित अनेक लोग व महिलाएं मौजूद थे।

युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रखने के लिए मिलकर करें प्रयास : डीसी

विभागों द्वारा नशामुक्ति को लेकर भी किया जाए कार्य

गजब हरियाणा न्यूज

चरखी दादरी । उपायुक्त प्रीति ने जिला के लोगों सहित सभी सामाजिक संस्थाओं से मिलकर नशे के खिलाफ लडने का आह्वान किया है। साथ ही विभागों के अधिकारियों को भी नशामुक्ति को लेकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि नशा सभी के लिए बराबर तौर पर खतरनाक है। नशा करने वाले का जीवन तो खराब होता ही है। साथ में पूरा परिवार इससे प्रभावित रहता है। ऐसे में सबको मिलकर युवा पीढ़ी को नशे की लत लगने से बचाना होगा और जो लोग इसमें लग चुके हैं, उनकी वापसी के प्रयास करने होंगे। नशे के व्यापार में लगे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। तभी उनका मनोबल तोड़ा जा सकता है। नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सामाजिक संगठनों एवं स्वंय सेवी संस्थाओं से जुड़े नागरिकों को भी प्रशासन का सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नशा करने से मनुष्य के शरीर में हृदय, कैंसर जैसी अनेक शारीरिक एवं मानसिक बीमारियां पनपती हैं। स्वस्थ व्यक्ति भी नशे के कारण गंभीर तौर पर बीमारी का शिकार हो सकता है। नशा किसी व्यक्ति विशेष की परेशानी ना होकर पूरे समाज के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में मानसिक तनाव के कारण युवा नशे की ओर चला जाता है जोकि बहुत

ज्यादा खतरनाक है। ऐसे में शिक्षकों को भी अपने विद्यार्थियों के व्यवहार की ओर लगातार ध्यान देने की जरूरत है।

डॉ. कृपा राम पुनिया को किया हरियाणा रत्न 2022 से सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित गजब हरियाणा समाचार पत्र के (सफलता के चार वर्ष) चौथे स्थापना पर समाजसेवियों, पत्रकारों व संस्थाओं को सम्मानित किया गया था। जिसमें ट्रस्ट ने विशेष रूप से 'हरियाणा रत्न सम्मान 2022' से डॉ. कृपा राम पुनिया पूर्व उद्योग मंत्री एवं से.नि. आईएएस, 'हरियाणा रत्न सम्मान 2022' से डॉ. आर आर फुलिया सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार , 'हरियाणा रत्न सम्मान 2022' से प्रसिद्ध समाजसेवी सन्दीप गर्ग लाडवा, 'सामाजिक समरसता सम्मान 2022' से सुरजभान कटारिया सदस्य सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, 'संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास सम्मान 2022' से सुरजभान नरवाल प्रधान श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कुरुक्षेत्र, 'भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान 2022' से कुलवंत सिंह अध्यक्ष बेगमपुरा चैरिटेबल ट्रस्ट भारत, 'हरियाणा विशिष्ट सेवा सम्मान 2022' से मीडिया वेल्फेयर क्लब कुरुक्षेत्र, प्रेस क्लब लाडवा, प्रेस क्लब बाबैन को सम्मानित किया गया था। यह समारोह 16 सितम्बर 2022 पिपली स्तिथ यात्री सूचना एवं सुविधा केंद्र के हॉल में सम्पन्न हुआ था।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के प्रेरणा स्रोत डॉ. कृपा राम पुनिया को हरियाणा रत्न सम्मान 2022 से किया सम्मानित

गजब हरियाणा समाचार पत्र के प्रेरणा स्रोत डॉ. कृपा राम पुनिया पूर्व उद्योग मंत्री एवं से.नि. आईएएस अस्वस्थ होने के कारण समारोह में नही पहुंच सके थे। इसलिए 'हरियाणा रत्न 2022' सम्मान उनके निवास पंचकूला में ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सम्पादक जरनैल सिंह रंगा और समाजसेवी बलजीत चंदेल द्वारा प्रदान किया गया। डॉ कृपा राम पुनिया गजब हरियाणा समाचार पत्र के प्रेरणा स्रोत है। बता दें डॉ कृपा राम पुनिया ने आईएएस व मंत्री रहते समाज उत्थान के ऐसे कार्यों को अंजाम दिया जो अभी तक किसी ग्रामीण एरिया में सम्भव नही हो पाए।

डॉ. आर आर फुलिया गजब हरियाणा समाचार पत्र के मार्गदर्शक

डॉ. आर आर फुलिया सेवानिवृत्त अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार गजब हरियाणा समाचार पत्र के मार्गदर्शक हैं। जो समय समय पर गजब हरियाणा समाचार पत्र का मार्गदर्शन करते रहते हैं और समाचार पत्र के विस्तारिकरण व प्रकाशित सामग्री के सुधारीकरण के प्रति जागरूक करते हैं।

गरीब परिवारों के लिए वरदान बनी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना : राहुल हुड्डा

सरकारी अस्पतालों के साथ ही पैनल वाले निजी अस्पतालों में लाभार्थियों को मिल रहा आयुष्मान भारत योजना का लाभ

पोर्टबिल्टी आयुष्मान भारत योजना की अनूठी विशेषता

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, प्रधानमंत्री जन आरोग्य (आयुष्मान भारत) योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को पांच लाख रुपए तक की वार्षिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जो ऐसे परिवारों के लिए एक वरदान साबित हो रही है। यह जानकारी उपायुक्त राहुल हुड्डा ने दी।

डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि इस योजना के तहत गरीब एवं असहाय परिवारों को बीमारियों के निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। इसके लिए आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, इस योजना के तहत प्रति परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक की चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद लोगों के लिए यह योजना काफी फायदेमंद साबित हो रही है। योजना से संबंधित पात्रता जानने के लिए मेरा.पीएमजे.जीओवी.इन/सर्च/लोगइन करें या हेल्पलाइन नंबर 14555 पर संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2018 में गरीब परिवारों को बीमारियों का निःशुल्क इलाज करने की सुविधा प्रदान करने के उदेश्य से यह योजना लागू की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान योजना को शुरू करके गरीब एवं असहाय परिवारों को राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि यह योजना पूर्णतया कैशलेस है। लाभार्थी व्यक्ति केवल अपना आयुष्मान भारत कार्ड दिखाकर ही पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त में इलाज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लाभार्थी किसी भी अटल सेवा केंद्र पर जाकर अपना आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड दिखाकर अपना आयुष्मान भारत कार्ड बनवा सकता है। इसके लिए पैनल पर लिए गए निजी अस्पतालों तथा सरकारी अस्पतालों में भी यह कार्ड मुफ्त में

बनवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना की अनूठी विशेषता पोर्टबिल्टी है यानि चाहे मरीज किसी भी राज्य का हो, वह किसी भी राज्य के पैनल पर लिए गए निजी अथवा सरकारी अस्पतालों में अपना मुफ्त इलाज करवा सकता हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जिला विभिन्न अस्पताल पैनल पर हैं। कोई भी लाभार्थी इन अस्पतालों में जाकर अपना आयुष्मान भारत कार्ड दिखाकर स्वीकृत पैकजों पर इलाज करवा सकता है।

ओलंपिक में मेडल जीतकर देश का नाम रोशन करना है ही मेरा सपना : नवनीत

कोच ने बनाया चैंपियन, कभी सोचा नहीं था अच्छा फाइटर बनुंगा

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । कभी सोचा भी नहीं था कि इतना अच्छा फाइटर बन पाउंगा। आप मुझे सालभर पहले देखते तो हैरान रह जाते। मेरा वेट बढा हुआ था। मोटापा बढ रहा था। अचानक हमारे स्कूल में मार्शल आर्ट सिखाने के लिए नये कोच आये और उसके बाद सब कुछ बदल गया। मात्र 100 रूपये में वह कराटे, ताईक्वांडों, किक बॉक्सिंग, योगा और वुशू की टरेनिंग दे रहे थे। संपूर्ण मिक्स मार्शल आर्ट का पुरा पैकेज। मैंने इस अवसर को हाथ से नहीं जाने दिया। कोच ने इतने जबरदस्त ढंग से मुझे तैयार किया कि साल के अंत तक आते आते मैंन कई सारी प्रतियोगिताओं में अपने जोहर दिखाने शुरू कर दिये थे ओर साल के अंतिम माह में अंतराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत कर सबको हैरान कर दिया। हर ओर मेरी तारीफ हो रही थी। माता पिता को हर ओर से बधाईयां मिल रही थी। सब मुझे बधाई दे रहे थे और तारीफ कर रहे थे, लेकिन मुझे पता था कि कोच ने इसके लिए काफी मेहनत की है। जब मैने क्लब ज्वाइन किया था तो मुझसे बेहतर बहुत से फाइटर थे ओर उनसे फाइट करने में भी मुझे डर लगता था। लेकिन अब मुझे डर नहीं लगता। अब किसी से भी कहीं भी फाइट कर सकता हुं। कोच ने हमारे एटीटयूड को सकारात्मक बनाने के लिए हमें पढने के लिए प्रेरणादायक किताबें दी। कोच ने हमे रिंग के साथ साथ जीवन के सफर में समस्याओं से लडने के लिए भी तैयार किया है। अब जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या आ जाये में हमें उससे डरने की जरूरत नहीं है। हम उसको पार कर ही लेंगे। अब मैं सोचता हुं कि यदि मैने मार्शल आर्ट की टरेनिंग नहीं ली होती तो यह अनुभव कभी नहीं पाता। इसी अनुभव और कोच के मार्गदर्शन के बिना मैं इतना बेहतर इंसान नहीं बन पाता। कोच ने ही हमें सिखाया है कि हमेशा कमजोर व जरूरतमंद लोगों की मदद करो। ताकत हमारे पास होनी चाहिए, लेकिन उस ताकत का कभी भी गलत इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि ताकत एक प्रकार की जिम्मेवारी है। मैं अंतराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतकर अपने माता पिता एवं देश का नाम रोशन करना चाहता हुं। खेलों की दुनियां में शानदार ढंग से नाम कमाने का सपना है। मेरे मम्मी पापा ने मेरा हर सपना पुरा किया है। वह हमेशा मुझे प्रोत्साहित करते हैं। वही मेरे आर्दश हैं। उनके सहयोग के बिना इतनी बडी जीत मिलना संभव हीं नहीं था। हम अपने माता पिता के लिए कितना ही कुछ क्यों न कर लें। लेकिन उनका अहसान हम भी चुका नहीं सकते। क्लब के साथियों को भी मैं धन्यवाद देना चाहुंगा कि उन्होंने भी मेरा बहुत सहयोग किया। खासतौर पर विराज का उन्होंने मुझ काता सिखने में मदद की है और वह मेरा सबसे अच्छा दोस्त भी है। सौरभ ने काफी मदद की है, वह मेरे बडे भाई जैसा है। वह सबका ख्याल रखता है और सभी की मदद करता है।

डा. अंबेडकर भवन की कमेटी द्वारा रतगल में खोला सेंटर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । सैक्टर-8 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन के कमेटी की ओर से रतगल में गरीब परिवारों के बच्चों के लिए कोचिंग सेंटर खोला गया जिसमें डॉ. अंबेडकर भवन में बने केंद्र के अलावा भी विद्यार्थी इस सेंटर में शिक्षा ग्रहण कर पाएंगे। रतगल की बाल्मीकि चौपाल में पांचवीं कक्षा में पढने वाले विद्यार्थियों के लिए इस केंद्र का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर भवन के प्रधान एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. रामभगत लांगयान ने किया।

डॉ. लांगयान ने बताया कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला रतगल के बच्चों को कोचिंग के सेंटर के शुरू करने से पांचवीं कक्षा में पढने वाले बच्चों का स्तर बढ़ेगा और यहां से शिक्षा ग्रहण कर बच्चे अपना भविष्य बना पाएंगे। गरीब बच्चों के लिए सेंटर इसलिए खोला गया है क्योंकि अधिकतर गरीब बच्चे सरकारी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करते हैं। ऐसे में यह बच्चे निजी स्कूलों में पढने वाले बच्चों का मुकाबला नहीं कर सकते।

गौरतलब है कि रतगल की पाठशाला में पांचवीं कक्षा के तीन सेक्शन के बच्चों पर दो ही टीचर हैं जबकि बच्चे ज्यादा है, ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि यहां कोचिंग सेंटर खोलने का उद्देश्य शिक्षा से वंचित बच्चों को आगे बढ़ाना है। यहां रोज शाम को दो घंटे पढ़ाई होगी। इस मौके पर जिले सिंह सभ्रवाल, प्रिंसिपल राजेंद्र भट्टी, बालकिशन भास्कर, बाल्मीकि मंदिर के प्रधान कृपाल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में इंडस्ट्री-एकेडमिक इंटरेक्शन प्रोग्राम का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में इंडस्ट्री-एकेडेमिक इंट्रेक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें फेड्रेशन ऑफ कोरोगेशन बॉक्स मन्यूफैक्करर्स ऑफ इंडिया के महासचिव अमित जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा कि भारत में गत्ता पैकेजिंग उद्योग बहुत गति से विकसित हो रहा है। गत्ता उद्योग आज के समय में प्लास्टिक पैकेजिंग का सबसे बड़ा विकल्प बनकर उभर रहा है। केवल गत्ता उद्योग ही एकमात्र ऐसा पैकेजिंग साधन है जो कि शत-प्रतिशत री-साइकल हो सकता है। भारत लघु और सूक्ष्म स्वरोजगार उत्पन्न करने में विश्व में बहुत बड़ा स्थान हासिल कर रहा है।

डेंगू, मलेरिया व जापानी बुखार को लेकर सतर्क रहें प्रत्येक जिलावासी : सुखबीर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव में मच्छर पैदा होने से जल जनित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। जिलावासी अपने घर व घर के आस-पास जल ठहराव न होने दें। सप्ताह में एक दिन अवश्य ड्राई डे मनाएं यानि घर की छत पर रखें सामान, कूलर आदि को अच्छी तरह सूखे कपड़े से साफ कर सूखा दें ताकि मच्छर पैदा न हों। घर के बाहर जल निकासी नाली में पानी के ठहराव में गाडिय़ों से निकला हुआ काला तेल, डीजल, पेट्रोल डालने से मच्छर नहीं पनपते।

सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि जिला स्वास्थ्य विभाग को डेंगू, मलेरिया व जापानी बुखार जैसी बीमारियों से बचने के लिए लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है। जहरीले मच्छरों के लारवा को नष्ट करने के लिए शहर के अलग-अलग तालाबों में गंबूजिया मछली छोड़ी जा रही हैं। इन मछलियों की विशेषता है कि यह मच्छरों के लारवा को खा जाती है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें अलग-अलग एरिया में रोजाना डोर टू डोर जाकर

चेक करके लारवा को नष्ट कर रही है। स्कूलों में जाकर बच्चों को मच्छरों के पनपने से रोकने के लिए जागरूक किया जा रहा हैं। सभी की सजगता डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारी को पनपने से रोक सकती है। अगर आपको बार-बार तेज बुखार आ रहा है तो, नजदीक के नागरिक अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से परामर्श कर दवाई लें।

शाहबाद में बसवा का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न, होनहार विद्यार्थियों समेत कई प्रतिभाशाली सम्मानित

हर घर में शिक्षा को पहुंचाना है बसवा का मुख्य उद्देश्य : रोहतास मेहरा

बसवा संगठन का विजन साफ : डॉ कपूर सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । बहुजन स्टूडेंट वेलफेयर एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में 11 सितम्बर को रामा पैलेस शाहबाद (कुरूक्षेत्र) में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर डॉ भीमराव अंबेडकर लोक संवाद मंच हरियाणा के अध्यक्ष डॉ कपूर सिंह के अलावा कई अतिथियों ने शिरकत कर संबोधित किया। समारोह में 10वीं, 12वीं में बेहत्तर अंक लेने वाले विद्यार्थियों व विभिन्न क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।

अतिथियों ने बहुजन स्टूडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों, छात्रों, समाजसेवियों व सामाजिक संस्थाओं को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बसवा के कार्यों की प्रसंशा की और भविष्य में भी अपना योगदान देने का आश्वासन दिया।

इसी कड़ी में बसवा ने प्रदेश की समाजसेवी संस्थाए, समाजसेवियों, कलाकारों, बुद्धिजीवियों, लेखकों, मिशनरी गायकों,रक्तदाताओं , नौकरी के साथ समाजसेवा में योगदान, शिक्षकों को विशिष्ट सेवा सम्मान देकर सम्मानित किया। जिसमे जिला के गांवों के इलावा प्रदेश भर से शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र व छात्राओं को भी मैडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य वक्ता अनिल चौहान एक्सईएन, राजकुमार अहलावत चेयरमैन हरियाणा प्रदेश फैडरेशन ऑफ गुरू रविदास और डॉ.अम्बेडकर महासभा, मान्यवर सुरेश मोरका प्रधान डॉ अम्बेडकर महासभा पंचकुला व विशिष्ट अतिथि सूरजभान नरवाल प्रधान गुरु रविदास मन्दिर व धर्मशाला कुरूक्षेत्र, एडवोकेट नरेश रंगा कार्यकारिणी सदस्य गुरु रविदास मन्दिर व धर्मशाला कुरूक्षेत्र, रामरतन समाजसेवी, ओम प्रकाश सौलरा, डॉ. प्रेम, सेवाराम बालू , तरसेम, वक्ता स्वीटी रंगा , प्रदीप कुमार पंचकुला, संजीव अम्बेडकर, सुखबीर व रवि बीबीपुर आदि उपस्थित रहे।

बसवा संगठन का विजन साफ :डॉ कपूर सिंह

समारोह में मुख्यातिथि डॉ. कपूर सिंह ने कहा कि बसवा प्रदेश में करीब आठ वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कार्य कर रही है। जो समाज के हर गरीब , शिक्षा से वंचित बच्चों को प्रेरित कर शिक्षा ग्रहण करने में आर्थिक सहयोग भी करती है। इस संगठन में पिछले 6 सालों से जुड़े हैं। बसवा का विजन साफ है जिसका विजन साफ होता है असल मे वही संगठन कामयाब होता है। बसवा ने लगभग प्रदेश के 10 जिलों में 40 से ज्यादा पुस्तकालय खोलने काम किया। उन्होंने दो हजार से ज्यादा ऐसे बच्चों को सम्मानित किया, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हजारों ऐसे व्यक्तियों को भी सम्मानित किया जिन्होंने समाजसेवा, समाज उत्थान, समाज सुधार के लिए अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य किया। बसवा टीम को मेरा सहयोग हमेशा रहेगा।

गायकों व कलाकारों ने पेश की महापुरुषों के जीवन दर्शन पर सुंदर प्रस्तुतियां

समारोह में विजेन्द्र ग्रोवर, धर्मेंद्र बौद्ध, गायक मंजु गौतम, मुस्कान मेहरा, अमित राठी, आरडी सुमन, प्रदीप बेलरखां, राजेश राठी टीम कुरुक्षेत्र, चांदी राम बौद्ध की माता सावित्री बाई फुले पाठशाला% नरवाना की टीम ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, माता सावित्री बाई व महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन दर्शन सम्बंधी गीतों व नाट्य सुंदर प्रस्तुति के माध्यम से जीवन चरित्र को पुनः जीवंत कर दिया और उपस्थित सभी लोगों का मन जीत लिया।

बसवा का मुख्य उद्देश्य हर घर मे शिक्षा को पहुंचाना : मेहरा

संगठन के संस्थापक रोहतास मेहरा ने बताया कि बसवा टीम इंडिया का उद्देश्य शिक्षा हर घर में पहुंचाना ताकि शिक्षा से कोई भी बच्चा वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि गांवों में हमारी चौपालें जो नशेडियों का अड्डा बन चुकी हैं उनमें पुस्तकालय खोल रहे है।

संगठन के प्रदेश चेयरमैन विक्रम थाना ने बताया कि बसवा टीम अभी तक हजारों छात्रों-छात्राओं, कलाकारों, बुद्धिजीवियों, लेखकों, गायकों व समाजसेवियों को सम्मानित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि बसवा का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के साथ-साथ ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करने है जिन्होंने समाज सुधार के कार्यों में किसी न किसी रूप में अपना योगदान दिया है।

बसवा टीम के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीन दयालपुरा ने बताया कि बहुजन स्टूडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन हरियाणा का एकमात्र ऐसा संगठन है जो पुरे हरियाणा में शिक्षा की अलख जगाने का काम कर रहा है।

बसवा केन्द्रीय कमेटी सदस्य गुरदेव बडसीकरी ने बताया की बसवा टीम 2016 से निरंतर सामाजिक कार्य कर रही है।

इस अवसर पर बसवा के प्रदेश अध्यक्ष अमित बेलरखा, गौरव अजराना प्रदेश महासचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीन दयालपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय गोहाना, प्रदेश सचिव मनोज बौद्ध कुरूक्षेत्र, जिलाध्यक्ष रजत माहला, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष कुरूक्षेत्र, प्रदीप पठानिया, जिला महासचिव निशांत बिबियान, जिला सचिव गौरव बटोए, जिला कानूनी सलाहकार सुशील रामगढ़,जिला सचिव सतीश रोहिला, पिहोवा अध्यक्ष संजीव कश्यप,वीरेन्द्र रॉय समाजसेवी, व जिला कुरुक्षेत्र बसवा युनिट के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) **Registration Namber : HAR/HIN /2018/77311**